

कार्यालय, जि.शि.प्रारम्भिक शिक्षा विभाग, चूरु

8वीं बोर्ड परीक्षा- 2020 हेतु
("मिशन ए-वन ग्रेड परिणाम उन्नयन")

लक्ष्योन्मुखी अध्ययन सामग्री

(जिले के निष्णांत विषयाध्यापकों द्वारा तैयार प्रश्न बैंक उत्तर सहित सभी विषय सामाजिक विज्ञान, विज्ञान, गणित, हिन्दी, संस्कृत, अंग्रेजी)



विभाग संरक्षक
माननीय श्रीमान् गोविन्द सिंह डोटासरा
शिक्षामंत्री राजस्थान सरकार



विभाग प्रमुख (मा.शि.)
श्रीमान् शौरभ स्वामी (IAS)
निदेशक मा.शि. बीकानेर



संरक्षक
श्रीमान् संदेश नायक
जिला कलेक्टर चूरु



संभाग प्रमुख
सुरेन्द्र सिंह गौड़
संयुक्त निदेशक स्कूल शिक्षा चूरु



संरक्षक
श्री सम्पत राम बारूपाल
(प्रा.शि. एवं मा.शि.)
जिला शिक्षा अधिकारी, चूरु



संरक्षक
श्री रमेश चन्द्र पूनिया
(प्रधानाचार्य एवं ADPC) समसा
जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण
संस्थान, चूरु



जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय), प्रारम्भिक शिक्षा विभाग, चूरु

8वीं बोर्ड परीक्षा-2020 हेतु ग्रेड ए-वन परिणाम उन्नयन कार्यक्रम जिला चूरु (संस्कृत)

8वीं बोर्ड परीक्षा-2020 हेतु ग्रेड ए-वन परिणाम उन्नयन कार्यक्रम जिला चूरु

विषय – संस्कृत
प्रश्न बैंक व मॉडल प्रश्न पत्र सहित

सर्वश्रेष्ठ संकलन, सर्वश्रेष्ठ सफलता प्राप्ति हेतु

लेखन संकलन व निर्माण



आचार्य निलम (अ.)
रा.उ.प्रा.वि. कच्छावतान
तारानगर



मनोज कुमार जांगिड़
प्रवक्ता
तारानगर



सौजन्य :- जि.शि.अ. प्रारम्भिक शिक्षा विभाग, चूरु (राजस्थान)

प्रारम्भिक शिक्षा पूर्णता प्रमाण-पत्र परीक्षा हेतु प्रश्न बैंक
कक्षा- 8 (संस्कृत)
वस्तुनिष्ठ प्रश्न

अधोलिखितेषु प्रश्नेषु समुचित उत्तराणां चयनं करु।

प्रश्न 1. देवैः पदे का विभक्तिः?

उत्तर- तृतीया

प्रश्न 2. 'वन्दे' इत्यत्र कः लकारः?

उत्तर- लट्

प्रश्न 3. पदमासने संस्थितां कां वन्दे?

उत्तर- सरस्वती

प्रश्न 4. "सा मां पातु" इत्यत्र रेखांकितपदं कस्मै प्रयुक्तम्?

उत्तर- सरस्वत्यै

प्रश्न 5. कुन्देन्दु इत्यत्र कः सन्धिः?

उत्तर- गुण

प्रश्न 6. पंचतंत्रम् केन लिखितम्,

उत्तर- विष्णु शर्मणा

प्रश्न 7. कति ब्राह्मणपुत्राः आसन्?

उत्तर- चत्वारः

प्रश्न 8. नोचितम् पदे सन्धिः वर्तते?

उत्तर- गुण

प्रश्न 9. "अहो! अद्य विद्या प्रत्ययः कर्तव्यः" इत्यत्र कानि अव्ययपदानि सन्ति?

उत्तर- अहो! अद्य

प्रश्न 10. सिद्धिः भवति-

उत्तर- कर्मजा

प्रश्न 11. चतुर्षु कति शास्त्रपारङ्गता आसन्?

उत्तर- त्रयः

प्रश्न 12. सिद्धिः भवति-

उत्तर- कर्मजा

प्रश्न 13. रत्नसिंहः स्थाल्यां किम् दृष्टवान्?

उत्तर- स्वपत्न्याः मूण्डम्

प्रश्न 14. 'एकतः राज्ञीं प्रति अनुरक्ति' रेखांकितपदे विभक्तिः वर्तते।

उत्तर- द्वितीया

प्रश्न 15. भारतसर्वकारस्य ध्येयवाक्यम् अस्ति-

उत्तर- सत्यमेव जयते

प्रश्न 16. "असतो मा सद्गमय" इत्यत्र रेखांकित पदे मूल शब्दः कः?

उत्तर- अस्मद्

प्रश्न 17. यतःधर्मः ततः किं भवति?

उत्तर- जयः

प्रश्न 18. 'क्षेमः' पदस्य अर्थः?

उत्तर- प्राप्तवस्तुनःसंरक्षणम्

प्रश्न 19. जननी जन्मभूमिश्च कस्मादपि गरीयसी?

उत्तर- स्वर्गात्

प्रश्न 20. 'जलेष्वेव' पदे कः सन्धिः?

उत्तर- यण्

प्रश्न 21. भारतीय जलसेनायाः ध्येयवाक्यमस्ति-

उत्तर- शन्नोवरुणः

प्रश्न 22. "विद्यायाः बुद्धिरुत्तामा" इति पाठः मूलतः उद्धृतः

उत्तर- कथासरित्सागरतः

प्रश्न 23. चर्ममांसरुधिरं संयोजितम् रेखांकितपदे समासः विद्यते-

उत्तर- द्वन्द्व

प्रश्न 24. "लप्स्यन्ते ते धूर्ततायाः फलम्" इति कः उक्तवान्?

उत्तर- रत्नसिंहः

प्रश्न 25. 'आरुह्य' इत्यत्र कः प्रत्ययः?

उत्तर- ल्यप्

प्रश्न 26. मुण्डमाली भूत्वा युद्धं कृतवान्-

उत्तर- रत्नसिंहः

प्रश्न 27. 'वीराङ्गना हाडीरानी' इति पाठस्य क्रमः अस्ति

उत्तर- चतुर्थः

प्रश्न 28. 'बहिः चत्वरे अस्ति स्वीकृत्य क्रीडतु' इति वाक्ये अव्ययपदम् अस्ति।

उत्तर- बहिः

प्रश्न 29. "अभिज्ञान चिह्ने" पदे कः उपसर्गः?

उत्तर- अभि

प्रश्न 30. 'निर्निमेष' पदे उपसर्ग पृथक्कुरुत-

उत्तर- निर्

प्रश्न 31. "दुष्कृताम्" इत्यत्र का विभक्तिः किं च वचनम्?

उत्तर- षष्ठी बहुवचनम्

प्रश्न 32. "सृजाम्यहम्" इत्यत्र कः सन्धिः?

उत्तर- यण्

प्रश्न 33. कः ज्ञानम् लभते?

उत्तर- श्रद्धावान्

प्रश्न 34. "पाठे भारत!" पदं कस्मै प्रयुक्तम्?

उत्तर- अर्जुनाय

प्रश्न 35. अभिजातस्य दैवीय सम्पदं न भवन्ति।

उत्तर- क्रोधः

प्रश्न 36. किं लब्ध्वा परां शान्तिं अधिगच्छति ?

उत्तर- ज्ञानम्

प्रश्न 37. "अस्मभ्यं " इत्यत्र मूलशब्दः कः?

उत्तर- अस्मद्

प्रश्न 38. कस्य मातुलगृहं पालीनगरमस्ति?

उत्तर- महाराणा प्रतापस्य

प्रश्न 39. रामदेवरास्थानं कुत्र अस्ति?

उत्तर- जैसलमेरे

प्रश्न 40. तत्रास्तु इत्यत्र कः सन्धिः?

उत्तर- दीर्घ

प्रश्न 41. मण्डोर उद्यानमस्ति-

उत्तर- जोधपुरे

प्रश्न 42. 'रात्रिं' इत्यत्र किं वचनम्?

उत्तर- द्विवचनम्

प्रश्न 43. 'पठितवान्' इत्यत्र किं प्रत्ययः?

उत्तर- क्तवत्

प्रश्न 44. इत्यादि इत्यत्र कः सन्धिः?

उत्तर- यण्

प्रश्न 45. भारतीय चिकित्सापद्धत्याः कति अङ्गानि?

उत्तर- अष्ट

प्रश्न 46. प्रकाशनिस्तारणादि क्रियायाः अनवेषणं कः कृतवान्?

उत्तर- पाराशरः

प्रश्न 47. हम्मीरस्य पितामहः कः?

उत्तर- वाग्भट्ट

प्रश्न 48. शल्यचिकित्सायाः जनकः कः?

उत्तर- सुश्रुतः

प्रश्न 49. प्रकाशस्य गतिं कः जानाति स्म?

उत्तर- आर्यभट्ट

प्रश्न 50. वनस्पतिनां वर्गीकरणं केन कृतम्?

उत्तर- पाराशरेण

प्रश्न 51. जानामि इत्यत्र कः मूल धातुः?

उत्तर- ज्ञा

प्रश्न 52. "कुर्मः" इत्यत्र का धातुः?

उत्तर- कृ

प्रश्न 53. "वरोपचारः" पदस्य कः सन्धि विच्छेदः?

उत्तर- वर+उपचारः

प्रश्न 54. वरराजा कः आसीत्?

उत्तर- मित्रावसुः

प्रश्न 55. "क्षम्यताम्" इत्यत्र कः लकारः?

उत्तर- लोट्

प्रश्न 56. "सा तु निर्भीका कन्या अस्ति " इत्यत्र निर्भीका पदं कस्मै प्रयुक्तम्?

उत्तर- सरलायै

प्रश्न 57. ते तु यौतुक लुब्धकाः इत्यत्र 'ते' पदं कस्मै प्रयुक्तम्?

उत्तर- श्रीधराय

प्रश्न 58. वनराजः पदे कः समासः?

उत्तर- तत्पुरुषः

प्रश्न 59. 'पश्यति' पदे मूलधातुः का?

उत्तर- दृश

प्रश्न 60. जीवनसाफल्यं कः पश्यति?

उत्तर- कृषकः

प्रश्न 61. क्रीडायै इत्यत्र का विभक्तिः ?

उत्तर- चतुर्थी

प्रश्न 62. यतिवाणी किम् इव ज्ञानं शंसति?

उत्तर- गंगाजलमिव

प्रश्न 63. गीतकारः कः ?

उत्तर- हरिराम आचार्यः

प्रश्न 64. वनराजः कोऽस्ति

उत्तर- सिंहः

प्रश्न 65. विवाहवेला पदे कः समासः?

उत्तर- तत्पुरुषः

प्रश्न 66. "उत्तिष्ठ बन्धो! उत्तिष्ठ इति कस्मै प्रयुक्तम्?

उत्तर- वृद्धाय

प्रश्न 67. "सोद्वेगं" इत्य. कः सन्धिः?

उत्तर- गुण

प्रश्न 68. "अस्पृशत्" इत्यत्र कः लकारः?

उत्तर-लङ्

प्रश्न 69. श्रीरामकृष्णपरमहंसस्य आश्रमं कः गन्तुमिच्छति ?

उत्तर-वृद्धः

प्रश्न 70. दीनबन्धुः कः आसीत्?

उत्तर-विवेकानंदः

प्रश्न 71. दीनबन्धु 'विवेकानंद पाठस्य क्रमः अस्ति-

उत्तर-दशमः

प्रश्न 72. "सतां" पदे का विभक्ति?

उत्तर-षष्ठी

प्रश्न 73. कः गुह्यं निगूहति?

उत्तर-सन्मित्रम्

प्रश्न 74. "जाहनवी" इत्यस्य कोऽर्थः?

उत्तर-गङ्गा

प्रश्न 75. "प्रीणयेत्" पदस्य कः आशयः?

उत्तर-प्रसन्नं करोति

प्रश्न 76. "शतान्यपि" पदे कः सन्धिः?

उत्तर-यण्

प्रश्न 77. "कलत्रम्" पदं कस्मिन् लिङ्गे कश्च अर्थः-

उत्तर-नपुंसकलिङ्गे नारी

प्रश्न 78. "अगच्छन्" इत्यत्र कः प्रत्ययः?

उत्तर-शतृ

प्रश्न 79. द्विसप्ततिमहायुगानां समूहः कथ्यते?

उत्तर-मन्वन्तरः

प्रश्न 80. संवत्सरः नास्ति-

उत्तर-षड्संवत्

प्रश्न 81. सम्प्रति किं मन्वन्तरं प्रचलितं?

उत्तर-वैवस्वत

प्रश्न 82. देवशयनी एकादशी कस्मिन् मासे भवति?

उत्तर-आषाढमासः

प्रश्न 83. कस्मात् मासात् विक्रमसंवत् प्रारम्भ्यते?

उत्तर-पुष्यं

प्रश्न 84. नक्षत्राणि भवन्ति?

उत्तर-सप्तविंशति

प्रश्न 85. कः चतुरः आसीत्?

उत्तर-सोमदत्तः

प्रश्न 86. 'पृष्टवान्' इत्यत्र कः मूलधातुः?

उत्तर-पृच्छ्

प्रश्न 87. रात्रौ कम्बलेन शरीरमाच्छाद्य कः शयनं करोति स्म?

उत्तर- सोमदत्त

प्रश्न 88. "महिष्याः" इत्यत्र मूलशब्दः कः ?

उत्तर- महिषी

प्रश्न 89. "करणीयम्" इत्यत्र कः प्रत्ययः?

उत्तर- अनीयर्

प्रश्न 90. "यन्मे रोचते करोमि" इत्यत्र में पदं कस्मै प्रयुक्तम् ?

उत्तर- प्रेमदत्तः

प्रश्न 91. कथायां कस्या कुशाग्रबुद्धेः परिचयः मिलति

उत्तर- सोमदत्तस्य

प्रश्न 92. शृणोतु इत्यत्र कः लकारः?

उत्तर- लोट्

प्रश्न 93. "स्मृत्यैव" इत्यत्र कः सन्धिः?

उत्तर- वृद्धि

प्रश्न 94. भारतनक्षत्रम् इत्युपाधिं कः प्राप्तुं देहलीं गच्छति स्म?

उत्तर- फतेहसिंह

प्रश्न 95. "माता मह्यं भुशुण्डीं न ददाति" वाक्येऽस्मिन् मह्यं पदं कस्मै प्रयुक्तं।

उत्तर- प्रतापाय

प्रश्न 96. कस्य राज्यारोहणावसरे सर्वेभारतीयनृपाः आहुताः?

उत्तर- सम्राट् एडवर्डसप्तमस्य

प्रश्न 97. 'चेतावणी रा चूङ्गट्या' काव्यम् वर्तते-

उत्तर- केसरीसिंहः

प्रश्न 98. आसन्दे कः उपविष्टः आसीत्?

उत्तर- केसरीसिंहः

प्रश्न 99. सन्मित्रं अस्मान् कुत्र योजयते?

उत्तर- हितकर्मणि

प्रश्न 100. भाद्रपदमासे नायाति

उत्तर- गुरुपूर्णिमा

प्रश्न 101. 'निर' उपसर्गः युक्तं पदम् अस्ति-

उत्तर- निरगच्छत्

प्रश्न 102. 'परिभ्रमणम्' पदे प्रयुक्तः उपसर्गः अस्ति-

उत्तर- परि

प्रश्न 103. 'आनीय' पदे प्रयुक्तः उपसर्गः अस्ति-

उत्तर- आ

प्रश्न 104. 'फल' पदस्य सप्तमी विभक्तिः बहुवचनम् अस्ति—

उत्तर—फलेषु

प्रश्न 105. 'युग' सप्तमी विभक्तिः एकवचनम् अस्ति—

उत्तर—युगे

प्रश्न 106. 'अस्मद्' पदस्य प्रथमा विभक्तिः एकवचनम् अस्ति—

उत्तर—अहम्

प्रश्न 107. 'गम्' धातोः लङ्लकार, प्रथम पुरुष एकवचनम् अस्ति—

उत्तर—अगच्छत्

प्रश्न 108. 'अस्' धातोः लट् लकार प्रथम पुरुष बहुवचनम् अस्ति

उत्तर—सन्ति

प्रश्न 109. 'बन्द्नीयः' पदे प्रयुक्त प्रत्ययं अस्ति—

उत्तर—अनीयर

प्रश्न 110. 'गत्वा' पदे प्रयुक्त प्रत्ययं अस्ति—

उत्तर—क्त्वा

प्रश्न 111. 'ज्येष्ठतरः' पदे प्रयुक्त प्रत्ययं अस्ति—

उत्तर—तरप्

प्रश्न 112. 'बुद्धिमान्' पदे प्रयुक्त प्रत्ययं अस्ति—

उत्तर—मतुप्

प्रश्न 113. 'दा' धातोः लृट्लकार उत्तमपुरुषः एकवचनम्—

उत्तर—दास्यामि

प्रश्न 114. 'नास्ति' पदे सन्धि-विच्छेदः अस्ति—

उत्तर—न+अस्ति

प्रश्न 115. 'भू' धातोः लृट् लकार प्रथमपुरुष एकवचनम् अस्ति—

उत्तर—भविष्यति

प्रश्न 116. 'अहं विद्यां विफलां न करोमि सम्प्रति' अत्र अव्ययम् पदं अस्ति।

उत्तर—सम्प्रति

प्रश्न 117. 'नरेन्द्रः' पदस्य सन्धि-विच्छेदः अस्ति—

उत्तर—नर+इन्द्रः

प्रश्न 118. 'वृक्षारोहणम्' पदस्य सन्धि-विच्छेदः अस्ति—

उत्तर—वृक्ष+आरोहणम्

प्रश्न 119. 'महोदय' पदस्य सन्धि-विच्छेदः अस्ति—

उत्तर—महा+उदय

प्रश्न 120. 'दीपोत्सवस्य' पदस्य सन्धि-विच्छेदः अस्ति—

उत्तर—दीप+उत्सवस्य

प्रश्न 121. 'प्रतिवर्षम्' पदस्य समास विग्रहम् अस्ति—

उत्तर—वर्ष वर्ष प्रति

प्रश्न 122. 'गन्तव्यम्' पदे प्रयुक्त प्रत्ययम् अस्ति—

उत्तर—तव्यत्

प्रश्न 123. 'दुर्जनं धिक्' रेखांकित पदे विभक्तिः अस्ति—

उत्तर—द्वितीया

प्रश्न 124. 'रामः कलमेन लिखति' रेखांकित पदे विभक्तिः अस्ति—

उत्तर—तृतीया

प्रश्न 125. वृद्धः नेत्राभ्याम् अन्धः आसीत्—

उत्तर—तृतीया

प्रश्न 126. 'वृक्षात् पत्रम् पताति' रेखांकित पदे विभक्तिः अस्ति

उत्तर—पञ्चमी

प्रश्न 127. 'हिमालय' पदे किं समासम् अस्ति?

उत्तर—तत्पुरुष

प्रश्न 128. 'मातापितरौ' पदस्य समास विग्रहम् अस्ति—

उत्तर—माता च पिता च

प्रश्न 129. 'उपगंगम्' पदस्य समास विग्रहम् अस्ति—

उत्तर—गंगायाः समीपम्

प्रश्न 130. कति ब्राह्मणपुत्राः बुद्धिरहिताः आसन्?

उत्तर—त्रयः

प्रश्न 131. आरक्षकाधीक्षकस्य पुत्रः आसीत्

उत्तर—राकेशः

प्रश्न 132. "सोमदत्तः रात्रिशयनं कृतवान् अत्ररेखांकितपदे प्रत्ययः अस्ति—

उत्तर—क्तवतु

प्रश्न 133. 'सर्वस्य लोचनं' इतिध्येय वाक्यं पूरयत

उत्तर—शास्त्रम्

प्रश्न 134. मानवस्य कस्मिन् एवं अधिकारः

उत्तर—कर्मणि

प्रश्न 135. कवि वाणी गाथां गायति—

उत्तर—तपोनिधीनां

प्रश्न 136. कः वृद्धं स्कन्धे निधाय प्रस्थितः?

उत्तर—नरेन्द्रः

प्रश्न 137. चौरहार्यं किं नास्ति?

उत्तर—विद्याधनम्

प्रश्न 138. गम्भीर मुद्रया कः चिन्तयति?

उत्तर- केसरीसिंहः

प्रश्न 139. वशिष्ठस्य धेनोः नाम किम् अस्ति?

उत्तर- नन्दिनी

प्रश्न 140. शिवस्य वाहनः कः अस्ति?

उत्तर- नन्दी वृषभः

प्रश्न 141. दिलीपः कस्य ऋषेः आश्रमं गतः ?

उत्तर- वसिष्ठस्य ऋषेः

प्रश्न 143. किं सुपाच्यं भवति?

उत्तर- धेनुदुग्धम्-

प्रश्न 144. अस्माकं देशे किम् अभियानं प्रचलति?

उत्तर- स्वच्छता अभियानम्

प्रश्न 145. के प्रबुद्धाः अभवन्

उत्तर- बालकाः

प्रश्न 146. परद्रव्यं कीदृशं भवति?

उत्तर- लोष्टवत्

प्रश्न 147. चन्द्रगुप्तस्य मंत्री कः आसीत्

उत्तर- चाणक्यः

प्रश्न 148. "तेषां उपयोगं कर्तुं मम न अधिकारः इति कः कथयति?

उत्तर- चाणक्यः

प्रश्न 149. एकस्मिन् वर्षे कति ऋतवः भवन्ति?

उत्तर- षट्

प्रश्न 150. प्रेमदत्त मित्रं कः आसीत्?

उत्तर- गोनूझा पण्डितः

प्रश्न 151. परिवारे किं न शोभते?

उत्तर- निरर्थक विभाजनम्

प्रश्न 152. कुँवर प्रतापः किं याचते?

उत्तर- भुशुण्डीम्

प्रश्न 153. कस्य लेखन्यां साक्षात् सरस्वती अस्ति?

उत्तर- केसरी सिंहस्य

प्रश्न 154. रेलयानं कुत्र विरमति?

उत्तर- सरेडी रेलयान स्थानकम्

प्रश्न 155. सरस्वती केन वस्त्रेण आवृता?

उत्तर- शुभ्रावस्त्रेण

प्रश्न 156. सरस्वत्याः हस्तयोः किं धारितम्?

उत्तर- वीणाम्

प्रश्न 157. का वरम् अस्ति?

उत्तर- बुद्धिः

प्रश्न 158. शं नो वरुणः कस्य ध्येय वाक्यम्

उत्तर- भारतीय जल सेनायाः

प्रश्न 159. 'सत्यं शिवं सुन्दरम्' कस्य ध्येय वाक्यम् अस्ति?

उत्तर- राष्ट्रिय दूरदर्शनस्य

प्रश्न 160. कस्मात् वृष्टिः जायते?

उत्तर- आदित्यात्

प्रश्न 161. जननी जन्मभूमिश्च कस्मात् गरीयसी?

उत्तर- स्वर्गात्

प्रश्न 162. आद्यं धर्मसाधनं किम्?

उत्तर- शरीरम्

प्रश्न 163. कः स्पृशं दीप्तम्

उत्तर- नभः

प्रश्न 164. रावत रत्नसिंहः शिरसि किं धारयति?

उत्तर- उष्णीषम्

प्रश्न 165. रावत रत्नसिंहः कस्य सन्देशं प्राप्तवान्?

उत्तर- महाराणा राजसिंहस्य

प्रश्न 166. हाडीरानी प्रति कः अनुरक्तः आसीत्?

उत्तर- रावत रत्नसिंहः

प्रश्न 167. केषां परित्राणाय ईश्वरः सम्भवति?

उत्तर- साधूनाम्

प्रश्न 168. वाङ्मय तपः किम् अस्ति?

उत्तर- स्वाध्यायाभ्यसनम्

प्रश्न 169. मौनं कीदृशं तपः उच्यते?

उत्तर- मानसम्

प्रश्न 170. पृथ्वी कुत्र भ्रमति

उत्तर- स्वअक्षे

प्रश्न 171. शल्यचिकित्सायाः जनकः कः आसीत्?

उत्तर- सुश्रुतः

प्रश्न 172. भारतीय चिकित्सायाः कति अंगानि सन्ति?

उत्तर- अष्टौ

प्रश्न 173. वाग्भट्टेन विरचितः ग्रन्थः कः अस्ति?

उत्तर- अष्टांग हृदयः

प्रश्न 174. राजस्थानस्य प्राचीनः ज्योतिषाचार्यः कः अस्ति?

उत्तर- ब्रह्मगुप्तः

प्रश्न 175. सोनार दुर्ग कुत्र स्थितम्?

उत्तर- जैसलमेरुनगरे

प्रश्न 176. पुस्तकालयेषु बृहत्तमः पुस्तकालयः कुत्र स्थितः

उत्तर- भादरियास्थाने

8वीं बोर्ड परीक्षा-2020 हेतु ग्रेड ए-वन परिणाम उन्नयन कार्यक्रम जिला चूरू (संस्कृत)

प्रश्न 177. जोधपुरनगरे किं दुर्गम् ?

उत्तर- मेहरानगढ़ दुर्गम्

प्रश्न 178. कस्य विमोहः नास्ति?

उत्तर- स्वदेहस्य

प्रश्न 179. सरला काम् आह्वयति?

उत्तर- पितरम्

प्रश्न 180. वरस्य नाम किम् अस्ति?

उत्तर- मित्रावसुः

प्रश्न 181. विद्याधरस्य मित्रं कः अस्ति?

उत्तर- राघवः

प्रश्न 182. अश्वारूढः कः अस्ति?

उत्तर- वरराजां (मित्रावसुः)

प्रश्न 183. उदयकाले सवितुः वर्णः कीदृशः?

उत्तर- रक्तः

प्रश्न 184. मित्रं कस्मात् निवारयति?

उत्तर- पापात्

प्रश्न 185. ज्ञानं कः लभते?

उत्तर- श्रद्धावान्

प्रश्न 186. प्रातः कस्य गुणगानं भवति?

उत्तर- शिवस्य

प्रश्न 187. प्रातः कस्य गुणगानं भवति?

उत्तर- शिवस्य

प्रश्न 188. सन्मित्रलक्षणं के प्रवदन्ति?

उत्तर- सन्तः

प्रश्न 189. विद्याया किं अश्नुते?

उत्तर- अमृतम्

प्रश्न 190. कति ब्राह्मण पुत्राः आसन्?

उत्तर- चत्वारः

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न :- रिक्त स्थानं पूरयत-

1. या वीणावरदण्डमण्डितकरा ।
2. देवैः सदा वन्दिता ।।
3. वन्दे तां परमेश्वरी भगवतीम्
4. वीणापुस्तक धारिणीमभयदाम्
5. बुद्धिप्रदां शारदाम्
6. या वीणावरदण्ड मण्डित करे ।
7. सा मां प्रातु सरस्वतीं भगवती ।
8. या कुन्देन्दु तुषारहारधवला ।
9. शुक्लां ब्रह्म विचारसार परमाम् ।
10. वीणा पुस्तक धारिणीम् अभयदाम् ।
11. हस्ते स्फाटिक मालिकां विद्धतीम् ।

12. वन्देतां परमेश्वरी भगवती बुद्धिप्रदां शारदाम् ।

13. परोपकाराय सतां विभूतयः ।

14. अनुद्धता सत्पुरुषाः समृद्धिभिः ।

15. सन्मित्रलक्षणमिदं प्रवदन्ति सन्तः ।

16. गच्छन् पिपीलिको याति योजनानां शतान्यपि

17. विद्या धनं सर्वधनम् प्रधानम् ।

18. अल्पनामपि वस्तूनां संहतिः कार्यसाधिका ।

19. यस्तिष्ठति सः बान्धवः

पर्यायवाची :-

1. तरु वृक्षाः, पादपः

2. सविता सूर्यः, भानुः, रविः, दिवाकरः

3. जाह्नवी भागीरथी, गंगा, मन्दाकिनी

4. जनकः तातः, पितृः जन्मदः ।

5. जननी माताः, पालिका, धात्रि

लघूत्तरात्मकः प्रश्नाः-

प्रश्न 1. सरलां वधूरूपेण प्राप्य कः आत्मानं धन्य मन्यते?

उत्तर- सरलां वधूरूपेण प्राप्य आरक्षकाधीक्षकः आत्मानं

प्रश्न 2. कस्याः धेनोः महत्त्वं अधिकम् अस्ति?

उत्तर- कपिलायाः धेनोः महत्त्वं अधिकम् अस्ति ।

प्रश्न 3. पञ्चगव्यस्य नामानि लिखत?

उत्तर- मूत्रम्, पुरीषम्, दुग्धम्, दधि, घृतम्, च

प्रश्न 4. नृपः कम्बलान् केभ्यः दातुं सूचितवान्?

उत्तर- नृपः कम्बलान् दरिद्रेभ्यः दातुं सूचितवान् ।

प्रश्न 5. मंत्री कुत्र निवसति स्म ?

उत्तर- मंत्री उटजे निवसतिस्म ।

प्रश्न 6. चायं पीत्वा अवकरं कुत्र स्थापनीयम्?

उत्तर- चायं पीत्वा अवकरं अवकर पात्रेषु स्थापनीयम् ।

प्रश्न 7. भारतीय मासानां पक्षयोः नामनी लिखत ।

उत्तर- भारतीय मासानां पक्षयोः नामनी-शुक्लपक्षः, कृष्णपक्षः च

प्रश्न 8. प्रत्येक पक्षे कति तिथयः भवन्ति?

उत्तर- प्रत्येक पक्षे पञ्चदश तिथयः भवन्ति ।

प्रश्न 9. कः सदा वञ्चितः अस्ति?

उत्तर- प्रेमदतः सदा वञ्चितः अस्ति ।

प्रश्न 10. कुत्र निरर्थकं विभाजनं न शोभते?

उत्तर- परिवारे निरर्थकं विभाजनं न शोभते ।

प्रश्न 11. परस्परं कथं कार्यं करणीयम्?

उत्तर- परस्पर सहयोगेन सामञ्जसयेन च कार्यं करणीयम्।

प्रश्न 12. केसरीसिंहः किम् अद्वितीय काव्यं रचितवान्

उत्तर- केसरीसिंहः "चेतावणी रा चूङ्गट्या" नामकम्

प्रश्न 13. 'मेदापाटस्य सूर्यः' पाठे कस्य कृते प्रयुक्तः?

उत्तर- 'मेदापाटस्य सूर्यः' पाठे महाराजा फतेहसिंहस्य।

प्रश्न 14. परोपकारिणां स्वभावः कीदृशः भवति?

उत्तर- परोपकारिणां स्वभावः विनम्रः भवति।

प्रश्न 15. पञ्च जकाराः के सन्ति?

उत्तर- जननी, जन्मभूमिः, जाहनवी, जनार्दनः, जनकः इति पञ्च जकाराः सन्ति।

प्रश्न 16. केषां संहतिः कार्यसाधिका?

उत्तर- अल्पानामपि संहतिः कार्यसाधिका।

प्रश्न 17. वृद्धः कीदृशः आसीत्?

उत्तर- वृद्धः अंधः, पङ्गु, चेतनाविहीनः च आसीत्।

प्रश्न 18. वृद्धः कुत्र प्रविष्टवान्।

उत्तर- वृद्धः एकस्मिन् भवनं प्रविष्टवान्।

प्रश्न 19. आरक्षकागारे दूरभाषेण का सूचितवती?

उत्तर- आरक्षकागारे दूरभाषेण सरला सूचितवती।

प्रश्न 20. राजस्थानं केषां भूमिः अस्ति?

उत्तर- राजस्थानं वीरणां वीराङ्गनानां च भूमिः अस्ति।

प्रश्न 21. अजयः कस्मै पत्रम् लिखितवान्?

उत्तर- अजयः मृदुलाय पत्रम् लिखितवान्।

प्रश्न 22. प्रतापगौरवकेन्द्रं कुत्र वर्तते?

उत्तर- प्रतापगौरवकेन्द्रं उदयपुरनगरे वर्तते।

प्रश्न 23. विद्युत् कोशस्य आविष्कारकः कः आसीत्?

उत्तर- विद्युत्कोशस्य आविष्कारकः अगस्त्यः आसीत्।

प्रश्न 24. "त्वचा रोपणम्" आदौ कः कृतवान्?

उत्तर- "त्वचारोपणम्" आदौ सुश्रुतः कृतवान्।

प्रश्न 25. रावत रत्नसिंहः कं पालयन् युद्धाय निश्चयः कृतः?

उत्तर- रावतरत्नसिंह क्षत्रिय धर्मं पालयन् युद्धाय निश्चयः कृतः।

प्रश्न 26. रावतरत्नसिंहस्य युद्धार्थं गमनकाले किम् अवतारितवती?

उत्तर- रावतरत्नसिंहस्य युद्धार्थं गमनकाले आरार्तिकम् अवतारितवती।

प्रश्न 27. रावतरत्नसिंहः सेवकं किम् आनेतुं प्रेषितवान्

उत्तर- रावतरत्नसिंहः सेवकं अभिज्ञान चिह्नम् आनेतुं प्रेषितवान्।

प्रश्न 28. रत्नसिंहः रणक्षेत्रं प्रति गच्छन् कां पश्यति स्म?

उत्तर- रत्नसिंहः रणक्षेत्रं प्रति गच्छन् राज्ञीं पश्यतिस्म।

प्रश्न 29. विद्यया किम् अश्नुते?

उत्तर- विद्यया अमृतम् अश्नुते।

प्रश्न 30. स्वर्गादपि का गरीयसी?

उत्तर- जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी।

प्रश्न 31. 'सत्यमेव जयते' कस्य ध्येय वाक्यम् अस्ति?

उत्तर- 'सत्यमेव जयते' भारतसर्वकारस्य ध्येय वाक्यम् अस्ति।

प्रश्न 32. 'विद्यायाः बुद्धिरूतमा' पाठः कस्मात् ग्रन्थात् संडकलितः?

उत्तर- 'विद्यायाः बुद्धिरूतमा' पाठः पञ्चतन्त्रात् ग्रन्थात् संडकलितः।

प्रश्न 33. केन प्रभावेण सिंहः सजीवः अभवत्?

उत्तर- विद्ययाः प्रभावेण सिंहः सजीवः अभवत्।

प्रश्न 34. कः वृक्षाद् अवतीर्य गृहं गतः?

उत्तर- सुबुद्धिः वृक्षाद् अवतीर्य गृहं गतः

प्रश्न 35. वृक्षम् कः आरोहति?

उत्तर- वृक्षम् बुद्धिमान् आरोहति।

प्रश्न 36. के विदेशं गन्तुं विचारयन्ति?

उत्तर- चत्वारः ब्राह्मणपुत्राः विदेशगन्तुं विचारयन्ति।

प्रश्न 37. के विनश्यन्ति?

उत्तर- बुद्धिहीनाः विनश्यन्ति।

प्रश्न 38. शुभ्रवस्त्रावृता का?

उत्तर- सरस्वती शुभ्रवस्त्रावृता अस्ति।

प्रश्न 39. सरस्वती कैः देवैः वन्दिता?

उत्तर- सरस्वती ब्रह्मा, अच्युत, शंकर प्रभृतिभिः देवैः

प्रश्न 40. शारदा कस्य अपहा?

उत्तर- शारदा जाड्यम् अपहा।

प्रश्नानां निर्माणम् :-

8वीं बोर्ड परीक्षा-2020 हेतु ग्रेड ए-वन परिणाम उन्नयन कार्यक्रम जिला चूरु (संस्कृत)

उत्तर कस्मिंश्चिद् ग्रामे चत्वारो ब्राह्मणपुत्राः वसन्ति स्म।

प्रश्न 1. कस्मिंश्चिद् ग्रामे चत्वारो के वसन्ति स्म?

उत्तर तेन सिंहः सजीवः कृतः।

प्रश्न 2. तेन कः सजीवः कृतः?

उत्तर बालकः वृक्षाद् अवतीर्य गृहंगतः।

प्रश्न 3. कः वृक्षाद् अवतीर्य गृहंगतः?

उत्तर प्रथमाः अस्थिसञ्चय करोति।

प्रश्न 4. प्रथमः किम् करोति?

उत्तर यतोः धर्मस्ततो जयः।

प्रश्न 5. यतो धर्मस्ततो कः?

उत्तर सर्वस्य लोचनं शास्त्रम्।

प्रश्न 6. सर्वस्य लोचनं किम्

उत्तर जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी।

प्रश्न 7. का स्वर्गादपि गरीयसी?

उत्तर सिद्धिर्भवति कर्मजा।

प्रश्न 8. सिद्धिर्भवति केन?

उत्तर आदित्याद् जायते वृष्टिः।

प्रश्न 9. कस्मात् जायते वृष्टिः?

उत्तर कर्मणि एवं ते अधिकारः।

प्रश्न 10. कस्मिन् एवं ते अधिकारः?

उत्तर क्रोधादि भवति सम्मोहः।

प्रश्न 11. कस्मात् भवति सम्मोहः?

उत्तर धर्मस्य ग्लानिर्भवति।

प्रश्न 12. कस्य ग्लानिर्भवति?

उत्तर न हि ज्ञानेन सदृशं पवित्रम्

प्रश्न 13. न हि केन सदृशं पवित्रम्

उत्तर परमाणु वादस्य जनकः महर्षिःकणादः अस्ति।

प्रश्न 14. परमाणुवादस्य जनकः कः अस्ति?

उत्तर महर्षिः पाणिनि अष्टध्यायीं रचितवान्।

प्रश्न 15. महर्षिः पाणिनिः कां रचितवान्?

उत्तर विमानविद्यायाः वर्णनं भारद्वाजः अकरोत्।

प्रश्न 16. कस्याः वर्णनं भारद्वाजः अकरोत्?

उत्तर प्रशासनिक दृष्ट्या राजस्थानं त्रयस्त्रिंशत् जनपदेषु विभक्तं वर्तते।

प्रश्न 17. प्रशासनिक दृष्ट्या राजस्थानं कतिषु जनपदेषु विभक्तं वर्तते?

उत्तर जोधपुरनगरे कायलानाका सारः वर्तते।

प्रश्न 18. कुत्र कायलानाकासारः वर्तते?

उत्तर महाकविः माघः राजस्थाने अभवत्।

प्रश्न 19. कः राजस्थाने अभवत्?

उत्तर प्रतापस्य गौरवगानं प्रतापगौरव केन्द्रं करोति।

प्रश्न 20. कस्य गौरवगानं प्रतापगौरव केन्द्रं करोति?

प्रार्थना पत्रम्

1. अस्वस्थतायाः कारणात् दिन त्रयस्य अवकाशार्थं प्रार्थनां पत्रं संस्कृत भाषायां लिखत।
सेवायाम्,

श्रीमन्तः प्रधानाध्यापक महोदयः

रा. उ. प्रा. विद्यालयः

भरतपुरम्

विषयः - दिनत्रयस्य अवकाशार्थं प्रार्थना पत्रम्

महोदयः,

सविनयं निवेदनम् अस्ति यत् अद्य अहं तीव्र ज्वरेण पीडितः अस्मि। अतः अहं विद्यालये आगन्तुं न शक्नोमि। अतः भवान् मह्यं दिनत्रयस्य अवकाशः दत्त्वा कृतार्थयन्तु भवन्त।

सधन्यवादम्।

भवदीयः शिष्यः

रमेशः

अष्टमी कक्षा

दिनांक 8-01-2018

2. स्व प्रधानाध्यापकस्य कृते दिनद्वयस्य अवकाशार्थं प्रार्थना पत्रं लिखत।
सेवायाम्,

श्रीमन्तः प्रधानाध्यापक महोदयः

रा. उ. प्रा. विद्यालयः

जयपुरम्

विषय : – दिनद्वयस्य अवकाशाय प्रार्थना पत्रम्
महोदयः,

सविनयं निवेदनम् अस्ति यत् अद्य मम गृहे अत्यावश्यकं कार्यम् अस्ति। अतः अहं विद्यालये
आगन्तुं न शक्नोमि। अतः भवान् मह्यं दिन द्वयस्य अवकाशं दत्त्वा कृतार्थयन्तु भवन्तः।
सधन्यवादम्।

भवदीयः शिष्यः

राकेशः

अष्टमी कक्षा

दिनांक 8-01-2018

कथा लेखनम्

1. बुद्धिमान् शिष्यः :

(पण्डितः, विद्यान्यासार्थम्, परीक्षार्थम्, शिष्यः अत्रैव, सर्वव्यापी, नास्ति, समाधानम्)

काशी नगरे एकः पण्डितः अस्ति। पण्डितसमीपम् एकः शिष्यः आगच्छति। शिष्यः वदति “आचार्य! अहं
विद्याभ्यासार्थम् आगतवान्।” पण्डितः शिष्यं बुद्धि परीक्षार्थम् पृच्छति— “वत्स! देवः कुत्र अस्ति?” शिष्यः वदति –
गुरो! देवः कुत्र नास्ति। कृपया भवान् एवं वदतु। सन्तुष्टः गुरु वदति – देवः सर्वत्र अस्ति। देवः सर्वव्यापी। त्वम्
बुद्धिमान् अतः विद्याभ्यासार्थम् अत्रैव वस।

2. वायस दम्पती

(वटवृक्ष, कोटरे, वायसदम्पती, बिले, सर्पः, शावकान् खादति, अण्डानि, राजभटाः, स्वर्णहारम्)

एकस्मिन् निर्जने वने एकः वटवृक्षः आसीत्। तस्मिन् वृक्षे एकः कोटरः आसीत्। तस्मिन् कोटरे काकः पत्न्या सह
वसति स्म। वटवृक्षस्य अधः एवं एकस्मिन् बिले एक कृष्णसर्पः वसति स्म। सः तयोः अण्डानि खादति स्म। एकदा
काकः शृगालेन परामर्शानुसारेण महारजाः स्वर्णहारम् गृहित्वा वनं प्रति प्रस्थितवान्। काकः स्वर्णहारम् सर्पस्य बिले
अक्षिपत्। राजभटाः तस्य अनुसरणम् अकरोत्। तैः सर्पस्य बिले हारं दृष्टम्। राजभटाः दण्डप्रहारैः सर्पं मारितः।
एवं वायस दम्पती स्व शावकान् अरक्षताम्।

3. चतुरः काकः

(काकः, उपायं, उपरि, प्रस्तरखण्डान्, पिबति, जलार्थं, पिबामि, बहुदूरं, जलं, घटं, सन्तोषः, स्वल्पम्)

एकः काकः अस्ति। सः बहुतृषितः अस्ति। सः जलार्थं भ्रमति। तदा ग्रीष्मकालः कुत्रापि जलं नास्ति। काकः
बहुदूरं गच्छति। तत्र सः एकं घटं पश्यति। काकस्य अतीव सन्तोषः भवति। किन्तु घटे स्वल्पम् एवं जलम् अस्ति।
जलं कथं पिबामि? सः एकम् उपायं चिन्तयति सः प्रस्तरखण्डान् घटे क्षिपति। जलम् उपरि आगच्छति। काकः
जलं पिबति। काकः सन्तुष्टः अभवत्।

वाक्य निर्माणम्

मञ्जूषातः पदं चित्वा वाक्य निर्माणं कुरुत

1. उद्यानम्

8वीं बोर्ड परीक्षा-2020 हेतु ग्रेड ए-वन परिणाम उन्नयन कार्यक्रम जिला चूरू (संस्कृत)

(विद्यालयस्यसमीपे, वृक्षाः खगाः, पुष्पाणि, भ्रमणाय, वटवृक्षः)

1. विद्यालयस्य समीपे एकं रमणीयम् उद्यानम् अस्ति ।
2. उद्याने सुन्दराणि पुष्पाणि विकसन्ति ।
3. अत्र एकः वटवृक्षः अपि अस्ति ।
4. वटवृक्षस्य उपरि अनेकाः खगाः तिष्ठन्ति ।
5. अस्मिन् उद्याने जनाः भ्रमणाय गच्छन्ति ।

2. पुस्तकालयः

(विद्यालये, सार्वजनिक स्थाने, पुस्तकालयः, जनाः, दैनिक समाचार पत्राणि, विविध विषयानाम्, पुस्तकानि)

1. विद्यालये एकः पुस्तकालयः अस्ति ।
2. पुस्तकालये बालकाः बालिकाः च दैनिक समाचार पत्राणि पठन्ति ।
3. अत्र जनाः अपि दैनिक समाचार पत्राणि पठन्ति ।
4. अस्मिन् पुस्तकालये विविध विषयानाम् पुस्तकानि सन्ति ।
5. पुस्तकानाम् अध्ययनेन बालकानां ज्ञानवर्धनं भवति ।

3. मेलापकः

(जनसम्मर्दः, मिष्टान्नानि, क्रीडनकाः, दोलनानि, आपणाः)

1. मेलापके जनसम्मर्दः अस्ति ।
2. मेलापके बहवः आपणाः सन्ति ।
3. मेलापके दोलनानि सन्ति ।
4. मेलापके उष्ट्रधावनम् प्रतियोगिता अपि भवति ।
5. अत्र जनाः मिष्टान्नानि खादन्ति ।
6. जनाः प्रसन्नं भूत्वा गृहं आगच्छन्ति ।

घटनाक्रमानुसारेण वाक्य क्रम संयोजनम्

(क)

1. कुण्डलस्य पुत्रः सुकर्मा महान् पितृभक्तः ।
2. सः वेदशास्त्रज्ञः आसीत् ।
3. कुण्डलः कश्चन सदाचारी वृद्धः ब्राह्मणः आसीत् ।
4. तस्य एकः पुत्रः सुकर्मा आसीत् ।
5. सुकर्मा मातृदेवोभवः, पितृदेवोभव इति वचनम् अवधानेन पालयति स्म ।

उत्तराणि :-

1. कुण्डलः कश्चन सदाचारी वृद्धः ब्राह्मणः आसीत् ।
2. सः वेदशास्त्रज्ञः आसीत् ।
3. तस्य एकः पुत्रः सुकर्मा आसीत् ।

8वीं बोर्ड परीक्षा-2020 हेतु ग्रेड ए-वन परिणाम उन्नयन कार्यक्रम जिला चूरू (संस्कृत)

4. कुण्डलस्य पुत्रः सुकर्मा महान् पितृभक्तः ।
5. सुकर्मा मातृदेवोभव, पितृदेवोभव इति वचनम् अवधानेन पालयति स्म ।

(ख)

1. अथ कदाचित् दीर्घकर्ण नाम मार्जारः पक्षि शावकान् भक्षितुं तत्रागतः ।
2. मार्जारोऽवदत्- शृयतां तावदस्मदवचनम् ।
3. अस्ति भगीरथी तीरे गृध्र कूटनाम्नि पर्वते महान् पर्कटीवृक्षः
4. तस्य कोटरे जरदग्वनाम गृध्रः प्रतिवसति ।
5. तम् आयान्तं दृष्ट्वा पक्षिशावकैः भयातैः कोलाहलं कृतम् ।

उत्तराणि :-

1. अस्ति भागीरथी तीरे गृध्रकूट नाम्नि पर्वते महान् पर्कटीवृक्षः
2. तस्य कोटरे जरदग्वनाम गृध्रः प्रतिवसति
3. अथ कदाचित् दीर्घकर्ण नाम मार्जारः पक्षिशावकान् भक्षितुं तत्रागतः ।
4. तम् आयान्तं दृष्ट्वा पक्षिशावकैः कोलाहलं कृतम्
5. मार्जारोऽवदत्-शृयतां तावद् अस्मद् वचनम्

(ग)

1. अन्ततः क्षत्रियधर्मं पालयन् युद्धाय निश्चयः कृतः ।
2. तस्य मनः प्रियायामेव अनुरक्तः आसीत्
3. रावत रत्नसिंहस्य विवाहः हाडावती राजकुमार्या सह अभवत् ।
4. लप्स्यन्ते ते धूर्ततायाः फलम्
5. राज्ञी अपि निर्निमेषं तम् अवलोकितवती ।

उत्तराणि :-

1. रावत रत्नसिंहस्य विवाहः हाडावती राजकुमार्या सह अभवत्
2. अन्ततः क्षत्रिय धर्मं पालयन् युद्धाय निश्चयः कृतः ।
3. तस्य मनः प्रियायामेव अनुरक्तः आसीत् ।
4. राज्ञी अपि निर्निमेषं तम् अवलोकितवती ।
5. लप्स्यन्ते ते धूर्ततायाः फलम् ।

निबंधः

भारतदेशः

भारतवर्षः अस्माकं देशः अस्ति । अस्माकं देशे नवविंशतिः राज्यानि सन्ति । अस्य प्राकृतिकी शोभा अनुपमा अस्ति । हिमालयः अस्य प्रहरी अस्ति । अत्र अनेकाः पवित्रतमाः नद्यः वहन्तिः अयं देशः सर्वासां विद्यानां केन्द्रम् अस्ति । अत्र विविध धर्मावलम्बिनः सम्प्रदायिनः जनाः निवसन्ति । वयं स्वदेशोपरि गर्वान्विताः स्मः

संस्कृत भाषायाः महत्त्वम्

संस्कृत भाषा अस्माकं देशस्य प्राचीन तमा भाषा अस्ति । इयं भाषा सर्वेषां भाषाणाम् जननी अस्ति । सर्वे प्राचीन ग्रन्थाः रामायणम् महाभारतम्, चत्वारो वेदाश्च संस्कृत भाषायाम् एवं लिखिताः सन्ति । संस्कृत भाषा भारतराष्ट्रस्य एकतायाः आधारः अस्ति । संस्कृतभाषायाम् अनेकाः सूक्तयः सन्ति यथा- “सत्यमेव जयते” अतएवं उक्तम्- “भाषासु मुख्या मधुरादिव्या गीर्वाण भारती”

पाठस्य सार हिन्दी भाषायां लिखत् ।

वीराङ्गना हाडीरानी

उत्तरम्— प्रस्तुत कथा के अनुसार चूण्डावत सरदार रावरतनसिंह का विवाह हाडावती राजकुमारी के साथ हुआ। विवाह के दूसरे या तीसरे दिन महाराणा राजसिंह का समाचार औरंगजेब के साथ युद्ध करने का मिला। मन हिलौरे लेने लगा। परन्तु क्षत्रिय धर्म का पालन करते हुये उसने युद्ध करने का निश्चय किया। रानी ने भी तिलक करके आरती उतारी।

राजा युद्ध करने के लिए निकल गया। रानी के प्रति अनुरक्ति होने के कारण वह बार-बार अटारी पर बैठी हुई रानी की ओर देखता जा रहा था। ऐसी स्थिति में राजा को देखकर रानी भी व्याकुल थी।

मोहपाश में बंधे हुए राजा ने सेवक से रानी की निशानी लाने के लिए कहा। रानी ने विचार किया कि राजा का मन मुझसे अनुरक्त है यदि अच्छी तरह युद्ध नहीं कर सका तो हार जायेगा। यह सुअवसर है। इसलिए सेवक को थाली लाने के लिए आदेश दिया। हाडी रानी ने तलवार से अपना सिर काटकर थाली के बीच गिरा दिया। सेवक उसे कपड़े से ढककर रत्नसिंह के पास पहुँचा। रत्नसिंह उसे देखकर आश्चर्यचकित होकर कहने लगा कि हे रानी! तुमने यह क्या किया। इससे तुमने मोहग्रस्तता का ज्ञान करा दिया। अब महाकाल के समान शत्रुओं का संहार कर दूंगा। इन्हें भी अपनी दुष्टता का फल मिल जायेगा। इसके पश्चात् रावरत्नसिंह ने अपनी पत्नी का मुण्डमाल गले में बाँधकर युद्ध किया। इस तरह का युद्ध करते हुए रत्नसिंह को महाकाल मानकर हाहाकार करती हुई औरंगजेब की सेना भाग गई।

दीनबंधु: विवेकानंद:

उत्तरम्— श्रीविश्वनाथदत्त के घर में जन्में नरेन्द्र बचपन से ही दयालु एवं प्रतिभासम्पन्न थे। वे छुआछूत का घोर विरोध करते थे। वे हमेशा दीन दुखियों की सेवा करने में विश्वास करते थे। एक बार वे सड़क पर जा रहे थे। अचानक उनका पैर सड़क पर घायल अवस्था में पड़े एक बूढ़े आदमी से टकरा गया। रुककर उससे पूछा। वह बेहोश था। नरेन्द्र ने सिर पर मलहम पट्टी की और अपने कम्बल से एक दिया। होश आने पर फिर पूछा बूढ़े आदमी ने लम्बी सांस लेकर कहा मैं अछूत, अपवित्र हूँ। मुझ भाग्यहीन का अशुभ दर्शन करके आपका आज का दिन खराब न हो जाये उसके नेत्रों से आंसू बह रहे थे। धीरज बंधाते हुए नरेन्द्र बोला, हमसब ईश्वर की संतान हैं। कोई अछूत, अपवित्र नहीं है। लेकिन यह बताये कि यह दुर्गति किसने की है। वह बोला मैं मंगल की ध्वनि को सुनकर तथा मंदिर समझकर एक भवन में प्रवेश कर गया। वहां लोगों ने मुझे बुरी तरह फटकार दिया। अंधा होने के कारण मैं उन्हें देख नहीं सका। इस वृत्तान्त को सुनकर नरेन्द्र का मन अत्यन्त दुखी हुआ और करुणापूर्वक अपने कन्धे पर रखकर रामकृष्ण आश्रम की ओर चल दिया।

“संहति: श्रेयसीपुंसाम्

उत्तरम्— एक किसान परिवार में सोमदत्त और प्रेमदत्त दो भाई रहते थे। उनके पास एक कंबल और एक भैंस थी। चालाक सोमदत्त ने भैंस के शरीर का अगला हिस्सा तो प्रेमदत्त को दे दिया तथा पिछले हिस्से का मालिक स्वयं बन गया। इसी प्रकार कम्बल को दिन में तो प्रेमदत्त उपयोग करेगा और रात्रि से स्वयं सोमदत्त। इसी प्रकार के समझौते से बेचारा सीधा सादा प्रेमदत्त ठगा गया सोमदत्त सुबह शाम खूब दूध पीता और रात्रि में कम्बल ओढकर मजे से सोता। इस प्रकार अपने को ठगा सा जानकर प्रेमदत्त ने गोनूझा नामक अपने मित्र से सलाह ली। तदनुसार भैंस को खाना खिलाना बन्द कर दिया और शाम के समय कम्बल को पानी में भिगो दिया। भूखी भैंस ने गुस्सा होकर सोमदत्त को लात मारकर घायल कर दिया। कम्बल चूँकि गीला था इसलिए बिना कम्बल के रात्रि में सोना पडा। सोमदत्त समझ गया कि यह मेरी धृष्टता का फल है। बाद में तय हुआ कि यह बंटवारा बेकार है। अतः हमेशा सहयोग और सामंजस्य बिठाकर कार्य करना परिवार के लिए शोभा देता है। इस कहानी में गोनूझा पण्डित ने पारिवारिक स्वार्थपरक बंटवारे पर व्यंग्य किया है।

पद्यानाम् हिन्दी भाषायां भावार्थः

1. पिबन्ति नद्यः स्वयमेव नाम्भः, स्वयं न खादन्ति फलानि वृक्षाः ।

नादन्ति शस्य खलु वारिवाहाः परोपकाराय सतां विभूतयः ॥

हिन्दी अनुवादः- नदियां स्वयं अपना जल नहीं पीती हैं। वृक्ष अपने फलों को नहीं खाते हैं। बादल भी अपने द्वारा उगाये अन्न को नहीं खाते हैं। निश्चय ही सज्जनों की सम्पत्तियों दूसरों की भलाई के लिए होती हैं।

2. भवन्ति नम्रास्तरवः फलोदगमैः, नवाम्बुभिर्भूमि विलम्बिनो धना ।

अनुद्धताः सत्पुरुषाः समृद्धिभिः, स्वभाव एवैष परोपकारिणाम् ॥

हिन्दी अनुवादः- फल लगने से पेड़ झुक जाते हैं, बादल अत्यधिक नवीन जल से लटकने वाले होते हैं, धन-सम्पत्तियों से युक्त सज्जन पुरुष विनम्र हो जाते हैं, क्योंकि परोपकारियों का यह स्वभाव होता है

3. पापान्निवारयति योजयतेहिताय,

गुह्यं निगूहति गुणान् प्रकटीकरोति ।

आपद्गतं च न जहाति ददातिकाले,

सम्भिन्न लक्षणमिदं प्रवदन्ति सन्तः ॥

हिन्दी अनुवादः- अच्छे मित्रों के लक्षण बतलाते हुए कहा गया है कि वह पाप से हटाता है, भलाई के लिए जोड़ता है, गुप्त बातों को छिपाता है, गुणों को प्रकट करता है। संकट के समय साथ नहीं छोड़ता है, समय के अनुसार देता है अर्थात् आर्थिक सहायता भी करता है। सज्जनों ने अच्छे मित्रों के ये लक्षण बताये हैं।

4. उदेति सविता रक्तो, रक्तश्चास्तमये तथा ।

सम्पतौ च विपतौ च महतामेकरूपता ॥

हिन्दी अनुवाद :- सूर्य लाल रंग का उगता है और अस्त होने के समय लाल रंग का ही होता है उसी प्रकार महापुरुष अच्छे समय तथा बुरे समय में एक समान ही रहते हैं।

5. जननी जन्मभूमिश्च, जाह्वी च जनार्दनः ।

जनकः पञ्चमश्चैव, जकाराः पञ्च दुर्लभाः ॥

हिन्दी अनुवादः- इस संसार में माता, मातृभूमि, गंगा, श्रेष्ठ पुरुष और पिता ये पांचों जकार अर्थात् 'ज' वर्ण से प्रारम्भ होने संसार में बड़ी कठिनाई से प्राप्त होते हैं।

6. गच्छन् पिपीलिको याति योजनानां शतान्यापि ।

अगच्छन् वैनतेयोऽपि, पदमेकं न गच्छति ॥

हिन्दी अनुवादः- चलती हुई चींटी सैकड़ों कोस चली जाती है लेकिन न जाता हुआ गरुड़ एक कदम भी नहीं जा पाता है अतः कहने का भाव है कि हमें हमेशा कार्यरत रहना चाहिए। भले ही चींटी छोटी है वह निरन्तर चलती हुई सैकड़ों कोसों तक चली जाती है किन्तु गरुड़ एक कदम भी आगे नहीं जा पाता है।

7. अल्पानामपि वस्तुनां, संहितः कार्य साधिका ।

तृणैर्गुणत्व मापन्नैः बध्यन्ते मन्तदन्तिनः ॥

हिन्दी अनुवादः- छोटी-छोटी वस्तुओं का संगठन भी कार्य सम्पन्न करने में सहायक हो जाता है। मद्मस्त हाथी छोटे तिनकों से नी रस्सी से बांधे जा सकते हैं। कहने का भाव है कि संसार में छोटी-सी वस्तु का अपना महत्त्व होता है। वे छोटी वस्तुएं मिलकर बड़े से बड़े कार्य को सम्पन्न करने में सहायक हो सकती हैं।

पठितगद्यांश आधारित प्रश्नोत्तर

(1) कस्मिंश्चिद् ग्रामे चत्वारो ब्राह्मणपुत्राः परस्परं मित्रभावेन वसन्ति स्म। चतुर्षु त्रयः शास्त्रपारङ्गताः परन्तु बुद्धिरहिताः। एकस्तु बुद्धिमान् किन्तु शास्त्र विमुखः। ते कदाचिद् मन्त्रणाम् अकुर्वन् "यदि विदेशं गत्वा प्रभूत धनं नार्जयाम तर्हि विद्याया किं प्रयोजनम्? तत् पूर्वदेशं गच्छामः। एवं किञ्चिद् मार्ग गते तेषु ज्येष्ठतरः अवदत् "अहो। अस्मासु एकः अशिक्षितः केवलम् अस्ति बुद्धिमान्। न च राजप्रतिग्रहो बुद्धिबलेन प्राप्स्यति विद्यां विना।

8वीं बोर्ड परीक्षा-2020 हेतु ग्रेड ए-वन परिणाम उन्नयन कार्यक्रम जिला चूरू (संस्कृत)

अतः अस्मै स्वोपार्जितं धनं न दास्यामि। त्वं स्वगृहं गच्छ यतस्ते विद्या नास्ति।" ततः द्वितीयः अवदत् भोः सुबुद्धे। त्वं स्वगृहं गच्छ यतस्त्वं विद्यारहितः असि।" ततः तृतीयेन उक्त् " अहो नोचितम् एवं कर्तुं यतोहि वयं बाल्यकालाद् एवं एकत्र क्रीडिताः।

(क) गद्यांशस्य उपयुक्तं शीर्षकं किम्?

उत्तर बुद्धेः महत्त्वम्।

(ख) कति ब्राह्मणपुत्राः परस्परं मित्रभावेन वसन्ति स्म?

उत्तर चत्वारः

(ग) चतुर्षु एकः कीदृशः आसीत्?

उत्तर बुद्धिमान्

(घ) के विदेशं गन्तुम् विचारयन्ति?

उत्तर चत्वारः ब्राह्मणपुत्राः विदेशं गन्तुं विचारयन्ति।

(ङ) 'त्वं स्वगृहं गच्छ यतस्त्वं विद्यारहितः असि' इति कः कथयति?

उत्तर 'त्वं स्वगृहं गच्छ यतस्त्वं विद्यारहितः असि' इति द्वितीयः कथयति।

(च) 'ज्येष्ठतरः' पदे प्रत्ययः अस्ति।

उत्तर तरप्

(2) शिरसि उष्णीसं परिधाय शस्त्राणि गृहीत्वा अश्वमारूह्य रावतरत्नसिंहः युद्धाय प्रयाणम् अकरोत्, किन्तु तस्य मनः प्रियायामेव अनुरक्तः आसीत्। राजक्षेत्रं प्रति गच्छन् सः वारं वारं राजप्रासादे अट्टालिकायां स्थितं राज्ञीं पश्यति स्म। राज्ञी अपि निर्निमेषं तम् अवलोकितवती। किं कर्तव्यं विमूढं नृप् दृष्ट्वा सा अपि मनसि व्याकुला आसीत्।

(क) रावतरत्नसिंहः शिरसि किं धारयति?

उत्तर उष्णीषम्।

(ख) कः अश्वमारूह्य युद्धाय प्रयाणम् अकरोत्?

उत्तर रावतरत्नसिंहः।

(ग) कस्य मनः प्रियायामेव अनुरक्तः आसीत्?

उत्तर रावतरत्नसिंहस्य।

(घ) कः वारं वारं राजप्रासादे अट्टालिकायां स्थितां राज्ञीं पश्यति स्म?

उत्तर रावतरत्नसिंहः वारं वारं राजप्रासादे अट्टालिकायां स्थितां राज्ञीं पश्यति स्म।

(ङ) राज्ञी अपि निर्निमेषं कम् अवलोकितवती?

उत्तर राज्ञी अपि निर्निमेषं रावतरत्नसिंहम् अवलोकितवती।

(च) 'राजप्रासादे पदेका विभक्तिः किं वचनम्?

उत्तर सप्तमी विभक्तिः एकवचनम्

(3) राजस्थानं वीराणां वीराङ्गनानां च भूमिः अस्ति। अत्र विविधानि ऐतिहासिकस्थलानि अस्मभ्यं गौरवशालीतिहासस्य परिचयं कारयन्ति। जैसलमेरु नगरे स्थितं सोनारदुर्गं स्वर्णमयीपीतपाषाणैः निर्मितम् अद्भूतं दुर्गम् अस्ति। जनपदे अस्मिन् सीमावर्ति तनोटमातुः मन्दिरं तु सर्वेषां भारतीयानां मनसि देषं प्रति गौरवभावमुत्पादयति भारतीयैः साकं वैदेशिकाः अत्रागत्य पटवाप्रसादान्, थारमरुस्थलं भादरियास्थाने स्थितं बृहत्तमं पुस्तकालयं रामदेवरा स्थानं च प्रतिवर्षं पश्यन्ति। विश्वविख्यातम् आणविक परीक्षणनगरं पोकरणस्य समीपस्य खेतोलाई स्थानमपि जैसलमेरु जनपदे दर्शनीयमेव अस्ति।

(क) गद्यांशस्य उपयुक्तं शीर्षकं किम्?

उत्तर राजस्थान प्रदेशस्य महिमा।

(ख) राजस्थानं केषां भूमिः अस्ति।

8वीं बोर्ड परीक्षा-2020 हेतु ग्रेड ए-वन परिणाम उन्नयन कार्यक्रम जिला चूरू (संस्कृत)

- उत्तर राजस्थानं वीराणां वीराङ्गनानां भूमिः अस्ति ।
(ग) सोनार दुर्ग कैः निर्मितम् अस्ति?
उत्तर सोनार दुर्ग स्वर्णमयीपीत पाषाणैः निर्मितम् अस्ति ।
(घ) बृहत्तम पुस्तकालयं कुत्र अस्ति?
उत्तर भादरिया स्थाने ।
(ङ) 'प्रतिवर्षम्' पदे समास विग्रहः अस्ति?
उत्तर वर्ष वर्ष प्रति- अव्ययीभाव समास
(च) 'पश्यन्ति' पदे कः लकारः? किं वचनम्
उत्तर लट् लकारः बहुवचनम्

(4) सूर्य नगरी रूपेण प्रसिद्धं जोधपुर नगरमपि ऐतिहासिकं महत्त्वं धारयति । मारवाडराज्यस्य राजधानी रूपेण प्रसिद्धेऽस्मिन् नगरे मेहरानगढ़ दुर्गः, राजस्थानस्य ताजमहलरूपेण प्रसिद्धं जसवन्तथडा नामकं स्थानं, कायलाना कासारः, मण्डोरोद्यानं च इत्यादीनि स्थलानि सन्ति । वीरशिरोमणेः प्रतापस्य मातुलगृहं पालीनगरमेवास्ति । पाली जनापदे परशुराम महादेवस्य मन्दिरं, स्थापत्यदृष्ट्या विश्वप्रसिद्धं रणकपुरजैनमन्दिरम् अपि विद्यते । एवमुच्यते यत् अस्मिन् जैनमन्दिरे निर्मितानां स्तम्भानां गणनापि दुष्करं वर्तते ।

- (क) गद्यांशस्य उपयुक्तं शीर्षकं किम्?
उत्तर राजस्थानस्य महिमा
(ख) वीरशिरोमणेः प्रतापस्य मातुलगृहं कुत्र अस्ति?
उत्तर पालीनगरे
(ग) राजस्थानस्य ताजमहलरूपेण किं स्थानं वर्तते?
उत्तर जसवन्तथडा स्थानम् ।
(घ) जोधपुरं कस्य राजधानी रूपेण प्रसिद्ध अस्ति?
उत्तर जोधपुरनगरं मारवाडराज्यस्य राजधानी रूपेण प्रसिद्धम् अस्ति ।
(ङ) 'इत्यादीनि' पदे सन्धिः-विच्छेदः अस्ति?
उत्तर इति+आदीनि
(च) 'धारयति' पदे कः लकारः? किं वचनम्?
उत्तर लट् लकारः, एकवचनम्

प्रारम्भिक शिक्षा पूर्णता प्रमाण पत्र परीक्षा, मॉडल पेपर-1

कक्षा - 8

विषय - संस्कृतम्

समय : 2. 30 होरा

पूर्णाङ्क : 80

परीक्षार्थिभ्यः सामान्य निर्देशाः

- (1) परीक्षार्थिभ्यः सर्वप्रथमं स्वप्रश्नपत्रोपरि नामाङ्काः अनिवार्यतः लेख्याः ।
- (2) सर्वे प्रश्नाः अनिवार्यः ।
- (3) सर्वेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि उत्तपुस्तिकायामेव लेखनीयानि ।
- (4) एकस्य प्रश्नस्य सर्वभागाः एकत्र एवं लेखनीया ।
- (5) प्रश्नं क्रमांक एकतः अष्टं यावत् सूची निर्माणं कृत्वा एकत्र एव लेखनीयः ।

8वीं बोर्ड परीक्षा-2020 हेतु ग्रेड ए-वन परिणाम उन्नयन कार्यक्रम जिला चूरू (संस्कृत)

1. महारणा समारोहे भागं ग्रहीतुं गमिष्यति' अत्र रेखांकित पदे कः प्रत्ययः? 1
(क) तमप् (ख) तरप् (ग) अनीयर (घ) तुमुन्
2. अधोलिखितेषु पदेषु 'सु' उपसर्गयुक्तं पदम् अस्ति। 1
(क) विविधा (ख) अतिदीर्घा (ग) सुयोग्यम् (घ) उपवसति
3. पितः। भवान् व्याकुलः प्रतीयते। 1
(क) एव (ख) तथा (ग) यथा (घ) अपि
4. 'त्वं बुद्धिरहित असि' अस्मिन् वाक्ये सर्वनाम पदं अस्ति। 1
(क) त्वम् (ख) बुद्धिः (ग) रहितः (घ) असि
5. कति ब्राह्मण पुत्राः बुद्धिरहिताः आसन्? 1
(क) एकः (ख) द्वौ (ग) त्रयः (घ) पञ्च
6. विद्याधरस्य पुत्री अस्ति- 1
(क) सरला (ख) कमला (ग) बिमला (घ) निर्मला
7. "..... अमृतमश्नुते" इति ध्येयवाक्यं पूरयत- 1
(क) धनेन (ख) परक्रमेण (ग) विद्यया (घ) पुस्तकम्
8. त्याग धनानां तपोनिधीनां गाथां गायति..... 1
(क) कविवाणी (ख) यतिवाणी (ग) जनवाणी (घ) रिपुवाणी
9. निर्देशानुसारं क्रियापदं लिखत- 2
(क) याच्धातुः लटलकारः, प्रथमपुरुषः, द्विवचनम्
(ख) रूच धातुः लटलकारः, उत्तमपुरुषः, बहुवचनम्
10. सन्धि विच्छेदं कुरुत- परोपकारः 2
सन्धिः कुरुत - नमः + ते
11. उभयतः - सह' पदयोः योगेन एकैकं वाक्यं लिखत। 2
12. भारतीय चिकित्सायाः अष्टौ अङ्गानि सन्ति। 2
अत्र रेखांकित पदयोः विशेषण- विशेष्यपदं पृथक् कुरुत।
13. उदाहरणानुगुणं क्रमवाची संख्या लिखत- 2
सैतीसवां दिन - सप्तत्रिंशत्तमः दिवसः
(क) सताईसवां नक्षत्र (ख) चालीसवां छात्र
14. रेखांकित पदानां स्थाने कोष्ठके लिखितान् 2
पदान् चित्वा प्रश्न निर्माण कुरुत
(क) बालकाः गृहं कार्येषु साहाय्यं करिष्यन्ति। (केषु/केषाम्)
(ख) इदानीं चायचषकान् मह्यं ददतु। (कस्मै/कान्)
15. कोष्ठके दत्तान् संज्ञापदान् चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत- 4
(क) गच्छ यतः विद्यारहितः असि। (त्वं/तस्य)
(ख) ते मार्गं अन्तः कतिचिद् अस्थीनी अपश्यन् (अरण्यम्/अरण्यस्य)
(ग) अहं विफलां न करोमि। (विद्यां/विद्यानाम्)
(घ) अवतीर्य गृहं गतः। (वृक्षात्/ वृक्षस्य)
16. अधोलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि पूर्णवाक्येन लिखित- 4
(क) केसरी सिंह बारहठः कुत्र अध्यास्ते?
(ख) आरक्षकागारे दूरभाषेण का सूचितवती?

(ग) अस्माकं देशे किम् अभियानं प्रचलति?

(घ) कः धेनूः अचारयत्?

17. अधोलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि एकपदेन लिखत

4

(क) स्वयं फलानि के न खादन्ति?

18. निर्देशानुसारं पदानि स्वीकृत्य 'अनुशासनम्' इति विषये निबन्ध लेखानं कुरुत- 8

(नियमानां, महत्त्वं, आवश्यकं, सफलं, परमावश्यकम्, सर्वेभ्याः, प्रियः, पालनम्,)

अथवा

रिक्त स्थ(ख) 'सत्यं शिवं सुन्दरम् इतिकस्य ध्येयवाक्यम् अस्ति?

(ग) सरस्वती केन वस्त्रेण आवृता?

(घ) क्रोधाद् किं भवति?

19. अधोलिखितान् पदान् चित्वा पद्यस्य पूर्तिं कुरुत

4

(लब्ध्वा, ज्ञानम्, गच्छति, संयतेन्द्रियः)

श्रद्धावाँल्लभते..... तत्परः..... ।

ज्ञानम् परां शान्तिमचिरेणाधि..... ।।

20. सुमेलनं कुरुत-

4

(क)

(ख)

1. परित्राणाय

सम्भवामि युगे-युगे

2. न हि ज्ञानेन

साधूनाम्

3. क्रोधात् भवति

सदृशं पवित्राम्

4. धर्मसंस्थापनार्थाय

सम्मोहः

21. चित्रं दृष्ट्वा चत्वारि वाक्यानि लिखत

4



अथवा

मञ्जूषां लिखितानां शब्दानां सहाय्येन कथां लिखत-

(अलसा, बीजानि, रूचिः, कृषकः, क्षेत्रान्, पुत्राः, सुगुप्तं, मरणानन्तरं)

कस्मिंश्चिद् ग्रामे एकः वृद्धः अवसत्। सः परिश्रमी, दूरदर्शी तथा सरल स्वभावः आसीत् तस्य चत्वारः... आसन्, परं ते..... अभवन्, ते कृषिकार्येपितुः सहयोगं न अकुर्वन्, न च तेषां कृषिकार्ये..... आसीत्। अस्मात् कारणात् वृद्धकृषकः चिन्तितवान्। मरणासन्नावसरे वृद्धः कृषकः स्वपुत्रान् अकथयत् यत्- मम क्षेत्रेषु गुप्तं वर्तते, मम..... खनित्वा सुगुप्तं धनं प्राप्नुयात्, पुत्राः एतत् श्रुत्वा प्रासीदन्, निजपितुः मृत्योः पश्चात् निजक्षेत्रान् अकर्षन्। परं..... धनं न लब्धवन्। ते निराशाः संजाताः। अन्ते निजमातुः प्रेरणया, ते निक्षेत्रेषु... अवपन्। परिणामस्वरूपम् प्रभूतं धान्यम् अभवत्। तस्य विक्रयैः ते समृद्धाः धनिनः च संजाता। अन्ते च ते स्वपितुः गुप्तधनस्य रहस्यम् अबोधन्।

22. अधोलिखित वाक्यानां क्रमायोजनं कुरुत-

4

1. एकदा तयोर्मध्ये एकः अनुबन्धः अभवत्।

2. एकस्मिन् कृषकपरिवारे भ्राताद्वयम् आसीत् सोमदत्तः प्रेमदत्तश्च।

3. इदं फलं ज्ञात्वा लज्जितः अभवत् ।

4. महिषी अतीव कुपिता ।

23. अधोलिखितस्य पद्यस्य हिन्दीभाषायां भावार्थः लिखत- 8
परित्राणाय साधूनां, विनाशाय च दुष्कृताम् ।
धर्म संस्थापनार्थाय, सम्भवामि युगे-युगे ॥

अथवा

उत्सवे व्यसने प्राप्ते , दुर्भिक्षे शत्रुसङ्कटे ।

राजद्वारे श्मशाने च, यस्तिष्ठति स बान्धवः ॥

24. "विद्यायाः बुद्धिरूतमा" अथवा "कर्त्तव्य - पालनम्" कथायाः सारं हिन्दीभाषायां लिखत । 8

तानानि पूरयित्वा प्रार्थनापत्रं लिखत-

(स्वीकृत्य, आगन्तुं, पुनीतः, तीव्रज्वरेण, अजयमेरुः अवकाशाय, दिनाङ्कपर्यन्तं)

सेवायाम्

श्रीमन्तः प्रधानाध्यापक महोदयः

राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालयः,

..... ।

विषय : दिनत्रयस्य प्रार्थना पत्रम् ।

महोदयः,

सविनयं निवेदनम् अस्तियत् अद्य अहं पीडितः अस्मि । अतः अहं विद्यालयम्

असमर्थः अस्मि ।

कृपया 11-01-2018 दिनाङ्कतः 13-01- 2018..... दिनत्रयस्य अवकाशं.....

मामनुगृहीष्यन्ति भवन्तः । सधन्यवादम्

दिनांक : 11-01- 2018

भवदीयः शिष्यः

.....
कक्षा - अष्टमी

25. अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत- 8

राजस्थानं वीरणां वीराङ्गनानां च भूमिः अस्ति । अत्र विविधानि ऐतिहासिक स्थालानि अस्मभ्यं गौरवशालीतिहासस्य परिचयं कारयन्ति । जैसलमेरु नगरे स्थितं सोनारदुर्गं स्वर्णमयीपीतपाषाणैः निर्मितम् अद्भूतं दुर्गम् अस्ति । जनपदे अस्मिन् सीमावर्ति तनोटमातुः मन्दिरं तु सर्वेषां भारतीयानां मनसि देशं प्रति गौरवभावमुत्पादयति । भारतीयैः साकं वैदेशिकाः अत्रागत्य पटवाप्रासादान् थारमरुस्थलं भादरियास्थाने स्थितं बृहत्तमं पुस्तकालयं रामदेवरास्थानं च प्रतिवर्षं पश्यन्ति । विश्वविख्यातम् आणविक परीक्षणनगरं पोकरणस्य समीपस्य खेतोलाई स्थानमपि जैसलमेरु जनपदे दर्शनीयमेव अस्ति ।

(क) गद्यांशस्य उपयुक्तं शीर्षकं किम्?

(ख) राजस्थानं केषाम् भूमिः अस्ति?

(ग) जैसलमेरु नगरे स्थितं सोनारदुर्गं कैः निर्मितम्?

(घ) कस्याः मन्दिरं तु सर्वेषां भारतीयानां मनसि गौरवभावनम् उत्पादयति?

(ङ) राजस्थाने स्थितं बृहत्तमं पुस्तकालयः कुत्र अस्ति?

(च) 'पश्यन्ति' पदे कः लकारः किं वचनम्?

8वीं बोर्ड परीक्षा-2020 हेतु ग्रेड ए-वन परिणाम उन्नयन कार्यक्रम जिला चूरु (संस्कृत)

प्रारम्भिक शिक्षा पूर्णता प्रमाण पत्र परीक्षा, मॉडल पेपर-2

कक्षा - 8

विषय - संस्कृतम्

समय : 2. 30 होरा

पूर्णाङ्क : 80

परीक्षार्थिभ्यः सामान्य निर्देशाः

- (1) परीक्षार्थिभ्यः सर्वप्रथमं स्वप्रश्नपत्रोपरि नामाङ्काः अनिवार्यतः लेख्याः ।
- (2) सर्वे प्रश्नाः अनिवार्यः ।
- (3) सर्वेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि उत्तपुस्तिकायामेव लेखनीयानि ।
- (4) एकस्य प्रश्नस्य सर्वभागाः एकत्र एवं लेखनीयाः ।
- (5) प्रश्नं क्रमांक एकतः अष्टं यावत् सूची निर्माणं कृत्वा एकत्र एव लेखनीयः ।

1. 'सत्यम्.... जयते' रिक्तस्थानं पूरयत । 1
(क) च (ख) हि (ग) एव (घ) तथा
2. तेत्रयः अपि सिंहेन उत्थाय मारिताः, अत्र रेखांकित पदे कः प्रत्ययः? 1
(क) क्त्वा (ख) ल्यप् (ग) तुमुन् (घ) अनीयर
3. 'अहं विद्यां विफलां न करोमि' अस्मिन् वाक्ये सर्वनाम पदं किम्? 1
(क) विद्यां (ख) करोमि (ग) अहं (घ) विफलां
4. अधोलिखितेषु पदेषु 'प्र' उपसर्गयुक्तं पदम् अस्ति- 1
(क) परिचरति (ख) पराजयते (ग) प्रहारम् (घ) अनुवदति
5. शिवस्य वाहनः अस्ति । 1
(क) वृषभः (ख) धेनुः (ग) शुकः (घ) अजाः
6. "तेषां उपयोगं कर्तुं मम न अधिकारः" इतिकः कथयति? 1
(क) चन्द्रगुप्तः (ख) चाणक्यः (ग) चौराः (घ) बालकः
7. शुभ्रवस्त्रावृता अस्ति । 1
(क) पार्वती (ख) लक्ष्मी (ग) सरस्वती (घ) देवकी
8. 'उद्बुध्यध्व सखायः' इतिध्येय वाक्यं पूरयत- 1
(क) समनसः (ख) मासद् (ग) जयामहे (घ) हिताय
9. निर्देशानुसारं क्रियापदं लिखत- 2
(क) रक्ष् धातुः लटलकारः उत्तमपुरुषः बहुवचनम्
(ख) अस्धातुः लङ्गलकारः प्रथमपुरुषः एकवचनम्
10. सन्धि विच्छेदं कुरुत- तथैव 2
सन्धि कुरुत - प्रति+एकम्
11. 'बहिः श्रेष्ठतमा' पदयोः योगेन एकैकं वाक्यं लिखत 2
12. सूर्यनगरिरूपेण प्रसिद्ध जोधपुरनगरम् ऐतिहासिकं महत्त्वं धारयति । अत्र रेखांकित पदयोः विशेषण-विशेष्य 2
पदं पृथक्-कुरुत ।
13. उदाहरणानुगुणं क्रमावाची संख्यालिखत- 2
सोलहवां पाठ - षोडशः पाठः

8वीं बोर्ड परीक्षा-2020 हेतु ग्रेड ए-वन परिणाम उन्नयन कार्यक्रम जिला चूरू (संस्कृत)

- (क) तीसरा दिन (ख) पचासवां छात्रः
14. रेखांकित पदानां स्थाने कोष्ठके लिखितान् पदान् चित्वा प्रश्ननिर्माणं कुरुत 2
(क) तस्य नेत्राश्याम् अश्रुधाराः प्रवहति (का/कस्मात्)
(ख) तत्र छात्राः स्वच्छतां कृतवन्तः (के/काम्)
15. कोष्ठके दत्तान् संज्ञापदान् चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत 4
(क) वस्त्रेण तस्य ब्रणपट्टिकाम् अकरोत् (नरेन्द्रः/नरेन्द्रस्य)
(ख) एषः ममकौस्तुभ । (मित्रे/मित्रम्)
16. अधोलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि पूर्णवाक्येन लिखित- 4
(क) मन्त्री कुत्र निवसति स्म?
(ख) "सेवक। स्थालीमानीय" इति का कथयति?
(ग) कस्याः धेनोः महत्त्वम् अधिकम् अस्ति?
(घ) सरलां वधूरूपेण प्राप्य कः आत्मानं धन्य मन्यते?
17. अधोलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि एकपदेन लिखत- 4
(क) देवीस्वरूपाः का : सन्ति?
(ख) कस्मात् वृष्टिः जायते?
(ग) मृदपि कीदृशम् अस्ति?
(घ) केषां परित्राणाय ईश्वरः सम्भवति?
18. अधोलिखितान् पदान् चित्वा श्लोकस्य पूर्तिं कुरुत- 4
(जनकः, जननी, दुर्लभाः, जाहनवी)
..... जन्मभूमिश्च च जनार्दनः ।
..... पञ्चमश्चैव जकारापञ्च..... ।।
19. सुमेलनं कुरुत-
(क) परशुराम महादेवः अरावलीपर्वतमाला
(ख) पटवाप्रासादानि जसवन्तथडा
(ग) राजस्थानस्य ताजमहलम् जैसलमेरु नगरे
(घ) प्राचीनपर्वतमाला पालीजनपदे
20. चित्रं दृष्ट्वा चत्वारि वाक्यानि रचयत । 4



मञ्जूषायां लिखितानां शब्दानां सहाय्येन कथा पूरयत
(काकः, उपायं, उपरि, प्रस्तरखण्डान्, जलार्थं घटं, सन्तोषः, स्वल्पम्)

8वीं बोर्ड परीक्षा-2020 हेतु ग्रेड ए-वन परिणाम उन्नयन कार्यक्रम जिला चूरू (संस्कृत)

एकःअस्ति। सः बहु तृषितः। सः काकः बहुदूरं गच्छति। तत्रसः एकं..... पश्यति। काकस्य अतीव.....
.....भवति। किन्तु घटेजलम् अस्ति। काकः एकम्चिन्तयति। सःआनयति। घटे पूरयति।
जलम्आगच्छति। काकः सन्तोषेण। जलं पीत्वा उड्डयति।

21. अधोलिखित वाक्यानां क्रमायोजनं कुरुत- 4

- (क) एकदा महाराजः निद्रां कुर्वन् आसीत्
(ख) मूर्खेण वानरेण महाराजः मारितः।
(ग) कश्चित् महाराजस्य राजभवने वानरः सेवकः आसीत्।
(घ) वानरः कुपितः सन् खड्गेन मक्षिकायाः उपरि प्रहारं कृतवान्

22. अधोलिखितस्य पद्यस्य हिन्दी भाषायां भावार्थः लेख्यः 8

कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।
मा कर्मफलहेतु भूर्मा ते सङ्गोऽस्त्वकर्मणि ॥

अथवा

यदा-यदा हि धर्मस्य, ग्लानिर्भवति भारत।
अभ्ययुत्थानम् धर्मस्य, तदात्मानं सृजाम्यहम् ॥

23. "संहतिः श्रेयसी पुंसाम्" अथवा "दीनबंधुः 8

विवेकानन्द" पाठस्य सारं हिन्दी भाषायां लिखत।

24. निर्देशानुसारं पदानि स्वीकृत्य 'भारतदेशः' 8

विषये निबंधं लेखनं कुरुत-

(अस्माकं, विविधरत्नानां, हिमालयः, गर्वान्विता, विद्यानां केन्द्रम्, अनेक प्रदेशेषु, सम्प्रदायिनः, संस्कृति)

रिक्त स्थानानि पूरयित्वा प्रार्थनापत्रं लिखत-

(शुल्कमुक्तये, आर्थिक स्थितिः प्रदातुम्, षट्सदस्याः, जोधपुरम् सुरेशः भवदीयः

सेवायाम्,

श्रीमन्तः प्रधानाध्यापक महोदय,
रा.उ. प्रा. विद्यालय,
.....।

विषय : प्रार्थना पत्रम्।

महोदय,

सविनयं निवेदनम् अस्तियत् मम पिता चतुर्थीश्रेणी- कर्मचारी अस्ति। अस्माकं परिवारे..... सन्ति।
मम परिवारस्य..... समीचीना नास्ति, अतः अहं विद्यालयस्य शिक्षण शुल्कं असमर्थोऽस्मि। अतएवं अस्ति यत्
अध्ययने मम रुचिं विलोक्य शिक्षण शुल्कात्- मुक्तिं प्रदास्यन्ति भवन्तः इति।

सधन्यवादम्

.....शिष्यः

.....

दिनांकः 13-01- 2018

अष्टमी - कक्षा

25. अधोलिखित गद्यांश पठित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत- 8

विष्णोः पमरधाम्नि भूरिशृङ्ग धेनवः न्यवसन्, भगवतः ऋषभदेवस्य चिह्नम् अपि धेनोः अपत्यं वृषभः एवं। भगवतः
शिवस्य वाहनोऽपि नदी वृषभः एवं भूपतेः दिल्लीपस्य अनपत्यतायाः निराकणमपि महर्षेः वशिष्ठस्य धेनुना नन्दिन्या

8वीं बोर्ड परीक्षा-2020 हेतु ग्रेड ए-वन परिणाम उन्नयन कार्यक्रम जिला चूरु (संस्कृत)

एवं कृतम्। कामधेनुः एतादृशी गौ रूपेण वर्णिता यस्याराधन मात्रेण मानवस्य सकलानां मनोरथानां पूर्तिः जायते। धेनूनां गाथामाकर्ण्य चिन्तरयाम तासां कृते किमपि कुर्याम। तस्या। कृते समासस्य उपेक्षावृत्तिः निराकरणीयाः।

(क) गद्यांशस्य उपयुक्तं शीर्षकं किम्?	1
(ख) नन्दी वृषभः कस्य वाहनः अस्ति?	1
(ग) कस्याः आराधनमात्रेण मनोरथानां पूर्ति- जायते?	2
(घ) नन्दिन्या कस्य अनपत्यतायाः निराकरणं कृतम्?	2
(ङ) कस्य परमाधाम्नि भूरिश्रृङ्गा धेनवः न्यवसन्?	2
(च) 'धेनुना' पदे का विभक्तिः? किं वचनम्	1

प्रारम्भिक शिक्षा पूर्णता प्रमाण पत्र परीक्षा, मॉडल पेपर-3

कक्षा - 8

विषय - संस्कृतम्

समय : 2. 30 होरा

पूर्णाङ्क : 80

परीक्षार्थिभ्यः सामान्य निर्देशाः

- (1) परीक्षार्थिभ्यः सर्वप्रथमं स्वप्रश्नपत्रोपरि नामाङ्काः अनिवार्यतः लेख्याः।
- (2) सर्वे प्रश्नाः अनिवार्यः।
- (3) सर्वेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि उत्तपुस्तिकायामेव लेखनीयानि।
- (4) एकस्य प्रश्नस्य सर्वभागाः एकत्र एवं लेखनीयाः।
- (5) प्रश्नं क्रमांक एकतः अष्टं यावत् सूची निर्माणं कृत्वा एकत्र एव लेखनीयः।

1. अहं मण्डमाली भूत्वा साक्षात् महाकाल.....शत्रूणां कदनं करिष्यामि।	1
(क) एव (ख) इव (ग) घ (घ) तथा	
2. भास्कराचार्यः गणित विषये कार्यं कृतवान् अत्र रेखांकितपदे कः प्रत्ययः	1
(क) तुमुन् (ख) क्त्वा (ग) अनीयर् (घ) क्तवतु	
3. 'ते धूर्तवायाः फलम् लप्स्यन्ते।' अस्मिन् वाक्ये सर्वनामपदं किम्?	1
(क) ते (ख) फलम् (ग) धूर्ततायाः (घ) लप्स्यन्ते	
4. अधोलिखितेषु पदेषु 'प्रति' उपसर्गयुक्तं पदम् अस्ति।	1
(क) सुयोग्यम् (ख) प्रतिवर्षम् (ग) आहारम् (घ) निर्जनम्	
5. महाराजा फतेहसिंहः गच्छति-	1
(क) जयपुरम् (ख) जोधपुरम् (ग) देहलीम् (घ) भरतपुरम्	
6. रावतरत्नसिंहस्यः विवाहः अभवत्	1
(क) माणिक कंवर (ख) पद्मावती (ग) हाडावती राजकुमार्या (घ) चन्द्रावती	
7. विद्यया किम् अश्नुते?	1
(क) दुग्धम् (ख) जलम् (ग) अमृतम् (घ) फलम्	
8. "जलेष्वेव.....।" इति ध्येयवाक्यं पूर्यत।	1
(क) जयामहे (ख) संस्कृति (ग) मासद् (घ) हितायः	

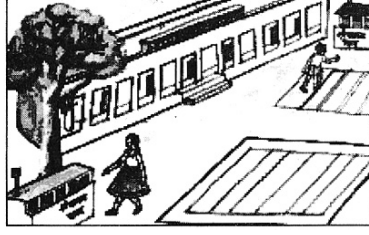
8वीं बोर्ड परीक्षा-2020 हेतु ग्रेड ए-वन परिणाम उन्नयन कार्यक्रम जिला चूरू (संस्कृत)

9. निर्देशानुसारं क्रियापदं लिखत- 2
 इष धातुः लट् लकारः प्रथम पुरुषः एकवचनम्
 गी धातुः लटलकारः प्रथम पुरुषः एकवचनम्
10. सन्धि विच्छेदं कुरुत- मेघाच्छने 2
 सन्धिं कुरुत - तथा + अपि
11. 'खञ्जः, ददाति' पदयोः योगेन एकैकं वाक्यं लिखत।
12. एकस्मिन् वर्षे षड्भद्रतवः भवन्ति अत्र रेखांकित पदयोः विशेषण विशेष्यपदं पृथक् कुरुता
13. उदाहरणानुगुणं क्रमवाची संख्या लिखत- 2
 अडतीसवाँ वृक्षा - अष्टात्रिंशत्तमः वृक्षः
 (क) अठाईसवाँ महायुग (ख) नौवीं बालिका
14. रेखांकित पदानां स्थाने कोष्ठके लिखितान् 2
 पदान् चित्वा प्रश्ननिर्माणं कुरुत-
 (क) विमानविद्यायाः वर्णनं भारद्वाजः अकरोत् (कस्मि/कस्याः)
 (ख) न हि ज्ञानेन सदृशं पवित्रम् (केन/केषाम्)
15. कोष्ठके दत्तान् संज्ञापदान् चित्वा रिक्त स्थानि पूरयत- 4
 (क) निर्भीका कन्या अस्ति (सरलायाः/सरला)
 (ख) श्री कृष्णाः अचारयत् (धेनुः/धेनुना)
 (ग) लघुबालकः सहसा प्रतिशति। (कुंवर प्रतापः/कुंवर प्रतापस्य)
 (घ) ज्येष्ठः चतुरः असीत्। (सोमदत्तः/सोमदत्ताय)
16. अधोलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि पूर्णवाक्येन लिखत- 4
 (क) रावतरत्नसिंहः कं पालयन् युद्धाय निश्चयः कृतः?
 (ख) नृपः कम्बलान् केभ्यः दातुं सूचितवान्?
 (ग) पञ्चगव्यस्य नामानि लिखत-
 (घ) महाराणा फतेहसिंहः कदा देहलीम् अगच्छत?
17. अधोलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि एकपदेन लिखत- 4
 (क) कस्य विमोहः नास्ति?
 (ख) गङ्गा जलं कीदृशं वर्तते?
 (ग) संवर्धनं प्रधानम् किम्?
 (घ) सम्पत्तौ च विपत्तौ च केषाम् एकरूपता?
18. अधोलिखितान् पदान् चित्वा श्लोकस्य पूर्तिं कुरुत- 4
 (नद्यः, वृक्षाः वारिवाहाः, सतां)
 पिबन्ति स्वयमेव नाम्भः, स्वयं न खादन्ति फलानि।
।
 नादन्ति शस्यं खलु परोपकाराय विभूतियः।।
19. सुमेलनं कुरुत- 4
 (क) (ख)
 1. महाराणा फतेहसिंह खरवा
 2. गोपालसिंहः देहली
 3. लघुबालकः मेदपाटः

4. कर्जनः

कुंवर प्रतापसिंहः

20. चित्रंदृष्ट्वा चत्वारि वाक्यानि रचयत।



4

अथवा

मञ्जूषायां लिखितानां शब्दानां सहाय्येन कथां पूरयत—
(प्रदर्शनं, सर्पान्, पेटिकायां, दिनानि, कदाचित्, आखदत्, बुभुक्षितः, आहारः गमनाय, अक्ष्याणि, रन्ध्रम्, सौभाग्यम्, मूषकः, निश्चयम्, प्रवेशम्, मुखे, बहिः....., दौर्भाग्यम्)
एकः अहितुण्डिकः आसीत्। सः..... गृहीत्वा जीवनं यापनं करोतिस्म। एकद। सः एकं सर्पम् आनयति। सर्पम्..... स्थापयति च। प्रतिदिनं सर्पस्य..... करोति जीवनं यापयति। अहितुण्डिकः अन्य ग्रामम् अगच्छत्। तस्य पत्नी पुत्राः अपि अगच्छत्। सर्पः पेटिकायामेव बुद्धः आसीत्। पञ्च..... अभवन् अहितुण्डिकः न आगच्छत्। सर्पस्य..... एवं नास्ति। सः पेटिकात् बहिः प्रयत्नम् अकरोत्। सः आसीत्। अतः शक्तिः नास्ति। विफलः अभवत्। तदा पेटिका समीपे एकः..... आगच्छत्। सः पेटिकाम् अपश्यत्। पेटिकायां सन्ति। इति मूषकः अचिन्तयत्..... करोमि। इति सः अकरोत्। अनन्तरं सः रन्ध्रं कृत्वा अन्तः अकरोत्। मूषकः सर्पस्य..... एवं अपतत्। सर्पः मूषकम्.....। तेन रन्ध्रेण एवं आगच्छत्। अहो सर्पस्य..... मूषकस्य.....।.....

21. अधोलिखित वाक्यानां क्रमायोजनं कुरुत—

4

- (क) नरेन्द्रः अपि मार्गं गच्छन्ति स्म।
(ख) प्रातः कालस्य समयः आसीत्।
(ग) नरेन्द्रस्य हृदयः व्यक्तिः सञ्जातः।
(घ) नरेन्द्रः स्ववस्त्रेण तस्य मस्तके व्रणपट्टिकाम् अबध्नात्।

22. अधोलिखितस्य श्लोकस्य भावार्थः हिन्दीभाषायां लिखत—

8

गच्छन् पिपीलिको याति योजनानां शतान्यपि।
अगच्छन् वैनतेयोऽपि, पदमेकं न गच्छति।।

अथवा

अल्पानामपि वस्तूनां, संहतिः कार्यसाधिका।
तृणैर्गुणत्वमापन्नैः बध्यन्ते मत्तदन्तिनः।।

23. "वीराङ्गना हाडीरानी" अथवा "धेनुमहिमा" एकस्याः कथायाः सारं हिन्दी भाषायां लिखत। 8

24. मञ्जूषातः पदानि चित्वाः 'परोपकारः' विषये निबन्ध लेखनं कुरुत— 8
(परेषाम् उपकारः, संसारे, सज्जनाः निःस्वार्थ भावनाया, वृक्षाः, नद्यः, महापुरुषाः, परोपकारिणः)

रिक्त स्थानानि पूरयित्वा प्रार्थनापत्रं लिखत—

(सेवायाम्, रमेशः, कारणात्, तीव्रज्वेरण, उदयपुरम्, आगन्तुं, दत्त्वा, शिष्यः)

.....

श्रीमन्तः प्रधानाध्यापक महोदयः

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयः

8वीं बोर्ड परीक्षा-2020 हेतु ग्रेड ए-वन परिणाम उन्नयन कार्यक्रम जिला चूरू (संस्कृत)

विषय : त्रिदिवसस्य अवकाशाय
महोदय,

सविनयं निवेदनम् अस्तियत् अहंपीडितः अस्मि। अतः अहं विद्यालये न शक्नोमि।
अस्मात्..... दिनांक 16-12-2017 तः 18-12-2017 पर्यन्तं दिवस त्रयस्य अवकाशं कृतार्थयन्तु
भवन्तः। सधन्यवादम्।

भवताम् आज्ञापालकः.....

दिनांक : 16-12-17

.....
कक्षा - अष्टमी

25. अधोलिखित गद्यांश पठित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखित-

8

सूर्यनगरि रूपेण प्रसिद्धं जोधपुरनगरमपि ऐतिहासिकं महत्त्वं धारयति। मारवाडराज्यस्य राजधानीरूपेण प्रसिद्धेऽस्मिन् नगरे मेहरानगढदुर्गः, राजस्थानस्य ताजमहलरूपेण प्रसिद्धं जसवनतथडा नामकं स्थानं कायालानाकासारः मण्डोरोद्यानं च इत्यादिनि स्थलानि सन्ति। वीरशिरोमणे, प्रतापस्य मातूलगृहं पालीनगरेवास्ति। पालीजनपदे परशुराम महादेवस्य मन्दिरं, स्थापत्यदृष्ट्या विश्वप्रसिद्धं रणकपुरजैन मंदिरम् अपि विद्यते। एवमुक्ष्यते यत् अस्मिन् जैन मन्दिरे निर्मितानां स्तम्भानां गणनामपि दुष्करं वर्तते।

1. गद्यांशस्य उपयुक्तं शीर्षकं किम्?
2. राजस्थानस्य ताजमहलरूपेण किं प्रसिद्धम्?
3. प्रतापस्य मातूलगृहं कुत्र अस्ति?
4. पालीनगरे कस्य महादेवस्य मन्दिरम् अस्ति?
5. जोधपुरनगरे कानि-कानि स्थलानि सन्ति?
6. 'मण्डोरोद्यानम्' पदस्य सन्धि - विच्छेदः भविष्यति।

प्रारम्भिक शिक्षा पूर्णता प्रमाण पत्र परीक्षा, मॉडल पेपर-4

कक्षा - 8

विषय - संस्कृतम्

समय : 2. 30 होरा

पूर्णाङ्क : 80

परीक्षार्थिभ्यः सामान्य निदेशाः

- (1) परीक्षार्थिभ्यः सर्वप्रथमं स्वप्रश्नपत्रोपरि नामाङ्काः अनिवार्यतः लेख्याः।
- (2) सर्वे प्रश्नाः अनिवार्यः।
- (3) सर्वेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि उत्तपुस्तिकायामेव लेखनीयानि।
- (4) एकस्य प्रश्नस्य सर्वभागाः एकत्र एवं लेखनीयाः।
- (5) प्रश्नं क्रमांक एकतः अष्टं यावत् सूची निर्माणं कृत्वा एकत्र एव लेखनीयः।

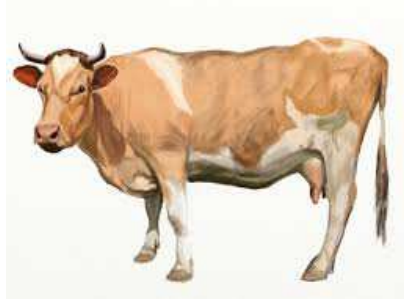
1. "अहं विद्यां विफलां न करोमि.....।" 1
(क) यदा (ख) तदा (ग) सम्प्रति (घ) सदा
2. "भवतः कुत्र गन्तव्यम्?" अत्र रेखांकित पदे प्रत्ययः अस्ति। 1
(क) तुमुन् (ख) अनीयर् (ग) ल्यप् (घ) तव्यत्

-193-

8वीं बोर्ड परीक्षा-2020 हेतु ग्रेड ए-वन परिणाम उन्नयन कार्यक्रम जिला चूरु (संस्कृत)

- | | | |
|-----|---|---|
| 3. | “सः रामकृष्णपरमहंसस्य आश्रमं गन्तुमिच्छति अस्मिन् वाक्ये सर्वनामपदं किम्? ”
(क) आश्रमं (ख) सः (ग) गन्तुम् (घ) इच्छति | 1 |
| 4. | अधोलिखित पदेषु ‘उत्’ उपसर्गयुक्तं पदम् अस्ति।
(क) उत्थापयन् (ख) आगच्छत् (ग) संपद्य (घ) अनुवसति | 1 |
| 5. | “यतो.....ततोऽजयः” इति ध्येयवाक्यं पूरयत।
(क) अधर्मः (ख) धर्मः (ग) पापः (घ) सुन्दरम् | 1 |
| 6. | मौनं तपः उच्यते।
(क) फलम् (ख) मानसम् (ग) धनम् (घ) विद्याम् | 1 |
| 7. | वृक्षायुर्वेद ग्रन्थस्य रचयिता अस्ति।
(क) आर्यभट्टः (ख) महर्षि पराशरः (ग) भरतमुनिः (घ) चाणक्यः | 1 |
| 8. | जोधपुरनगरे किं दुर्गम् अस्ति?
(क) मेहरानगढ दुर्गम् (ख) आमेर दुर्गम् (ग) कुम्भलगढ दुर्गम् (घ) सोनार दुर्गम् | 1 |
| 9. | निर्देशानुसारं क्रियापदं लिखत—
(क) लभ् धातुः लट् लकारः प्रथम पुरुषः द्विवचनम्
(ख) रुच् धातुः लट् लकारः प्रथम पुरुषः एकवचनम् | 2 |
| 10. | सन्धि विच्छेदं कुरुत— नगाधिराजः
सन्धिः कुरुत – पयः + धर | 2 |
| 11. | ‘परितः निकषा’ पदयोः योगेन एकैकं वाक्यं लिखत। | 2 |
| 12. | प्राचीनतमा अरावलीपर्वतमाला राजस्थानं द्विभाग्योः विभक्तं करोति
अत्र रेखांकित पदयोः विशेषण-विशेष्यं पृथक् कुरुत। | 2 |
| 13. | उदाहरणानुगुणं क्रमवाची संख्या लिखत—
सैतीसवां छात्र – सप्तविंशतित्तमः छात्रः
(क) चालीसवां अध्याय (ख) बीसवीं छात्रा | 2 |
| 14. | रेखांकित पदानां स्थाने कोष्ठके लिखितान् पदान् चित्वा प्रश्ननिर्माणं कुरुत
(क) धर्मस्य ग्लानिर्भवति। (कस्य/कस्मिन्)
(ख) कर्मणि एव ते अधिकारः (केभ्यः/कस्मिन्) | 2 |
| 15. | कोष्ठके दत्तान संज्ञापदान् चित्वा रिक्त स्थानानि पूरयत—
(क) ममपुत्रः। (राकेशः/राकेशस्य)
(ख)सर्वथा योग्यः अस्ति (सरला/सरलायाः)
(ग) तस्य अश्रुधारा प्रवहतिस्म। (नेत्राभ्याम्/नेत्रे)
(घ) आर्यभट्टः गतिं सम्यक् जानाति स्म। (प्रकाशाय/प्रकाशस्य) | 4 |
| 16. | अधोलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि पूर्णवाक्येन लिखत—
(क) मार्गे कः पतितः आसीत्?
(ख) विद्युत्कोशस्य आविष्कारकः कः आसीत्?
(ग) “त्वचारोपणम्” आदौ कः कृतवान्?
(घ) रमेशः कस्मै पत्रम् लिखितवान्? | 4 |
| 17. | अधोलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि एकपदेन लिखत
(क) के विनश्यन्ति? | 4 |

- (ख) फलोद्गमैः वृक्षाः कथं भवन्ति?
 (ग) मित्रं कस्मात् निवारयति?
 (घ) उदयकाले सवितुः वर्णः कीदृशः?
18. अधोलिखितान् पदान् चित्वा पद्यस्य पूर्तिं कुरुत— 4
 (पिपीलिको, योजनानां, वैनतेयो, गच्छति)
 गच्छन्याति..... शतान्यापि ।
 अगच्छन्ऽपि, पदमेकं न ।।
19. सुमेलनं कुरुत— 4
 (क) (ख)
 1. ब्रह्मगुप्त : शल्य क्रिया
 2. आर्यभट्ट : खगोलविज्ञानम्
 3. बोधायन : ब्रह्मस्फुट सिद्धान्त
 4. सुश्रुतः शुल्व सूत्रम्
20. चित्रं दृष्ट्वा चत्वारि वाक्यानि रचयत । 4



अथवा

- मञ्जूषायां लिखितानां शब्दानां सहाय्येन कथां पूरयत ।
 (चित्रग्रीवः, निभृतः, महिलारोप्य, कपोताः तण्डुलान्, व्याधः, आकाशे, व्यनाशयत्)
 दाक्षिणात्ये जनपदे..... नाम नगरम् आसीत् ।
 तस्य समीपे एकः वटवृक्षः आसीत् । तत्र एक..... आगच्छत् । सः वटवृक्षस्य अधः जालम् प्रासारयत् । जालस्य
 उपरि तण्डुलान् अक्षिपत् । स पार्श्वे एवं अतिष्ठत् । अथचित्रग्रीवः नाम कपोतराजः उदपतत् । तस्य
 परिवारे शतम् कपोताः आसन् । ते भक्षयितुम् नीचैः आगच्छन् ते सर्वे जालेन बद्धाः । व्याधम् दृष्ट्वा कपोतान्
 अवदत्— यूयम् पाशम् नीत्वां शीघ्रम् उत्पतत । सकलाः जालेन सहिताः उत्पतन् । व्याधः कपोतानाम् कृते जालम्
 अपि..... ।
21. अधोलिखित वाक्यानां क्रमायोजनं कुरुत— 4
 1. लप्स्यन्ते ते धूर्ततायाः फलम्
 2. अन्ततः क्षत्रिय धर्मं पालयन् युद्धाय निश्चयः कृतः
 3. तस्य मनः प्रियायमेव अनुरक्तः आसीत् ।
 4. रावतरत्न सिंहस्य विवाहः हाडावती राजकुमार्या सह अभवत् ।
22. अधोलिखितस्य श्लोकस्य भावार्थः हिन्दी भाषायां लिखत— 8
 क्रोधाद्भवति सम्मोहः सम्मोहा त्स्मृति विभ्रमः ।

स्मृति भ्रंशाद् बुद्धिनाशो बुद्धिनाषा त्प्रणश्यति ।।

अथवा

श्रद्धावाँल्लभते ज्ञानं तत्परः संयतेन्द्रियः ।

ज्ञानं लब्ध्वा परां शान्तिमचिरेणाधिगच्छति ।।

23. "संहति श्रेयसी पुंसाम्" अथवा "विद्यायाः
बुद्धिरूतमा एकस्याः कथायाः सारं हिन्दी भाषायां लिखत । 8
24. निर्देशानुसारं पदानि स्वीकृत्य 'उद्यानम्' विषये निबंध लेखनं कुरुत 8
(विद्यालयस्य समीपे, वृक्षाः खगाः, पुष्पाणी भ्रमणाय, चत्वारः, मयूराः, बालकाः)

अथवा

रिक्तस्थानानि पूरयित्वा प्रार्थना पत्रं लिखत -

(अहं, श्रीमन्त, भवदीयः, समर्थः, दिवसत्रयस्य, अवकाशं, निवेदनम्, जयपुरम्)

सेवायाम्,

.....प्रधानाचार्य महोदयः

रा. उ. मा. विद्यालयः

..... ।

विषय : - अवकाश प्रार्थना पत्रम् ।

महोदय,

सविनयंअस्तियत्तीव्रज्वरेण पीडितः अस्मि अतः अहं विद्यालयम् आगन्तुं

..... नास्मि । अतः भवान् मध्यं दिनत्रयस्य..... दत्त्वा कृतार्थयन्तु सधन्यवादम्

शिष्यः

रमेशः

कक्षा - अष्टमी

25. अधोलिखित गद्यांशां पठित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत- 8

चन्द्रगुप्तः मगधदेशस्य नृपः आसीत् । तस्य मंत्री चाणक्यः तपोधनः राजतंत्रज्ञः च आसीत् । मन्त्री अपि स एकस्मिन् उटजे निवसति स्म । वैराग्य भावनाया सः पूर्णः आसीत् । एकदा नृपेण चाणक्याय कम्बलाः समर्पिताः । तान् कम्बलान् दरिद्रेभ्यः दातुं नृपः सूचितवान् । चाणक्यस्य उटजं नगराद् बहिः आसीत् । केचन चौराः कम्बलान् अपहर्तुं चिन्तितवन्तः । ते एकदा रात्रौ चाणक्यस्य उटजं प्राविशन् । मध्यरात्रिसमये शीतकाले अतीव शैत्यम् आसीत् । तथापि चाणक्यः जीर्णकम्बलेन सह सुप्तः आसीत् । पार्श्वे नूतन कम्बलानां राशिः एव आसीत् ।

1. कः मगधदेशस्य नृपः आसीत्? 1
2. नृपेण चाणक्याय के समर्पिताः? 1
3. के कम्बलान् अपहर्तुं चिन्तितवन्तः? 1
4. चाणक्यः केन सह सुप्तं आसीत् 2
5. चाणक्यस्य समीपे केषाम् राशिः एव आसीत् 2
6. 'तपोधन' पदे सन्धि-विच्छेदः भवति । 1

8वीं बोर्ड परीक्षा-2020 हेतु ग्रेड ए-वन परिणाम उन्नयन कार्यक्रम जिला चूरु (संस्कृत)

प्रारम्भिक शिक्षा पूर्णता प्रमाण पत्र परीक्षा, मॉडल पेपर-5

कक्षा - 8

विषय - संस्कृतम्

समय : 2. 30 होरा

पूर्णाङ्क : 80

1. "रामलक्ष्मणौ" कस्य समासस्य उदाहरणम् अस्ति? 1
(क) द्विगु(ख) बहुव्रीहिः (ग) द्वन्द्वः (घ) कर्मधारयः
2. "पुस्तकालय" इति शब्दस्य सन्धि-विच्छेदं भवति। 1
(क) पुस्तक+लय (ख) पुस्तक+आलय (ग) पुस्तक+अलय (घ) पुस्त+कालय
3. सम् उपसर्ग युक्तम् पदम् अस्ति। 1
(क) सम्भाषणम् (ख) सार्द्धम् (ग) सद्गतिम् (घ) सुविचारम्
4. रामः पुस्तकं पठति। रेखांकितःशब्दः अस्ति। 1
(क) विशेषणम् (ख) अव्ययम् (ग) संज्ञा (घ) सर्वनाम
5. "यौतकम् पातकम्" पाठस्य क्रमः अस्ति। 1
(क) दशम् (ख) षष्ठम् (ग) पंचम (घ) नवम
6. " अधुना अहं गृहं गच्छामि" अस्मिन् वाक्ये अव्ययशब्दः वर्तते। 1
(क) अधुना (ख) अहम् (ग) गृहम् (घ) गच्छामि
7. "ग्रामम् परितः वृक्षाः सन्ति। " इति वाक्ये विभक्तिः अस्ति। 1
(क) पञ्चमी (ख) द्वितीया (ग) तृतीया (घ) षष्ठी
8. " पठित्वा" इति शब्दः कस्य प्रत्ययस्य उदाहरणम् अस्ति? 1
(क) शानच् (ख) ल्यप् (ग) क्त्वा (घ) तुमुन्
9. अधोलिखितशब्दानां सन्धि-विच्छेदं कुरुत। 2
परोपकाराय, देवालयः, एकैकः, नरेन्द्रः
10. समास-विग्रहम् कुरुत- 2
सीतारामौ, दशाननम्, राज्ञपुरुषः, नीलकण्ठः
11. धातु-प्रत्ययं योजयित्वा पदनिर्माणम् कुरुत- 2
पा+तुमुन्, उप+गम्+ल्यप्, खाद्+क्त्वा, श्रेष्ठ+तरप्
12. निम्नलिखित पदेषु उपसर्गान् पृथक् कुरुत- 2
आगच्छ, अनुरक्तः, प्रबलः, परिभ्रमति
13. सर्वनामशब्दानां प्रयोगं कृत्वा रिक्तस्थानानि पूरयतः। 2
(तौ, यूयम्, अहम्, त्वम्)
(क) प्रातः विद्यालयं गच्छसि।
(ख) उद्याने भ्रमतः।
(ग)..... सर्वदा सत्यं वदामि।
(घ) विद्यालयं प्रति गच्छथ।
14. अधोलिखितम् उदाहरणं पठित्वा विभक्ति संयोज्य पूरयत। 2
उदाहरण - दशरथः रामस्य पिता अस्ति। (राम)

- (क) राघवः पतिः अस्ति। (विमला)
 (ख) लक्ष्मी पत्नी अस्ति। (विद्यालय)
 (ग) विद्याधरः पिता अस्ति। (सरला)
 (घ) सरला सखी अस्ति। (नलिनी)
15. निदेशानुसारेण रिक्तस्थाने क्रियायाः रूपं लिखत- 4
 (क) तस्य पितुः नाम कृष्णसिंहः । (अस् धातु, लङ् लकार)
 (ख) महाराणा फतेहसिंहः देहली । (गम् धातु, लृट् लकार)
 (ग) अहं राष्ट्राय कारागृहं । (गम् धातु, लट् लकार)
 (घ) सर्वे छात्राः अद्य । (पठ् धातु, लोट् लकार)
16. मंजूषातः अंकानां कृते पदानि चिबोतु 4
 मंजूषा-अष्टचत्वारिंशत्, एकोनविंशति, अष्टात्रिंशत्, सप्तविंश
 (क) 48 (ख) 38 (ग) 27 (घ) 19
17. घटनाक्रमानुसारेण वाक्यानि लिखत- 4
 (क) ते कदाचित् मन्त्रणाम् अकुर्वन्।
 (ख) ततः तेनोत्सुकतया अस्थिसंचयः कृतः।
 (ग) ते मार्गे अरण्ये कतिचित् अस्थीनि अपष्यन्।
 (घ) कस्मिंश्चिद् ग्रामे चत्वारो ब्राह्मणपत्राः वसन्ति स्म।
18. सुमेलन। कुरुत- 4
 (क) सत्यं शिवं सुन्दरम् - भारतीय मौसम विभागः
 (ख) सर्वस्य लोचनं शास्त्रम्- राष्ट्रीय दूरदर्शनम्
 (ग) शुभास्ते पनथानः सन्तु - राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम
 (घ) आदित्यात् जायते वृष्टिः - पेराडेनिया विश्वविद्यालय, श्रीलंका
 (ङ) धर्मचक्र प्रवर्तनाय - लोकसभा
19. अधोलिखितानाम् प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत- 4
 (क) सुबुद्धिः कस्मात् अवतीर्य गृहं गतः?
 (ख) चन्द्रगुप्तस्य मन्त्रीः कः आसीत्?
 (ग) महात्मागाँधी कुत्र स्वच्छताकार्यम् करोति स्म?
 (घ) नक्षत्राणां संख्याः कति सन्ति?
 (ङ) कुँवर प्रतापस्य माता का आसीत्?
20. अधोलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि एकपदेन लिखत- 4
 (क) सरस्वती हस्ते किम् विदधाति?
 (ख) ज्ञानं कः लभते?
 (ग) केषां परित्राणाय ईश्वरः सम्भवति?
 (घ) सम्पत्तौ च विपत्तौ च केषाम् एकरूपता?
 (ङ) सिद्धवनम् कः अस्ति?
21. रेखांकितपदानि आधृत्य प्रश्ननिर्माणं कुरुत- 4
 (क) अस्मिन् पाठे दीनबंधुः विवेकानंदः अस्ति।
 (ख) राजपथेषु जनाः अटनार्थम् गच्छन्ति।
 (ग) नरेन्द्रः वस्त्रेण तस्य व्रणपट्टिका अकरोत्।

(घ) मंदिरं मत्वा एकस्मिन् भवनं प्रविष्टवान् ।

(ङ) तस्य नेत्राभ्याम् अश्रुधाराः प्रवहति ।

22. पाठ्यपुस्तकस्य द्वौ श्लोकौ लिख्यताम्, यौ प्रश्नपत्रे न स्तः । 8
23. दिनद्वयस्यावकाशार्थम् प्रधानाध्यापकं प्रार्थनापत्रं संस्कृते लेखनीयम् 8

अथवा

मंजूषातः पदं चित्वा षड्वाक्यानि लिखत ।

मंजूषा-अस्माकं, विद्यालये, अध्यापकाः छात्र-छात्राश्च, पुस्तकालयः क्रीडाक्षेत्रे

24. "संहतिः श्रेयसीपुंसाम्" अथवा "विद्याया बुद्धिरुत्तमा" कथायाः एकपृष्ठेन हिन्दीभाषायां लिखत । 8
25. अधोलिखितस्य श्लोकस्य भावार्थः हिन्दीभाषायां लिखत- 8

न चौरहार्यम् न च राजहार्यम्,
न भ्रातृभाज्यं न च भारकारि ।
व्यये कृते वर्धत एव नित्यं,
विद्याधनं सर्वधनम् प्रधानम् ॥

अथवा

मृदपि च चन्दनस्मिन् देशे, ग्रामो ग्रामः सिद्धवनम् ।

चत्र च बाला देवीस्वरूपा, बालाः सर्वे श्रीरामाः ॥

26. अधोलिखित गद्यांश अवधानेन पठित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि ददातु । 8

प्राचीन भारतीय महान् गणितज्ञः आर्यभट्टः प्रकाशस्य गतिसम्यक् जानाति स्मः । पृथ्वी गोलाकारा अस्ति । पृथ्वी स्व अक्षे भ्रमति, तेन एव दिवारात्रौ भवतः । पृथ्वी सूर्यस्य परिक्रमाम् करोति तेन एव ऋतवः भवन्ति । सप्ताहे दिनानाम् क्रमः, प्रकाशस्य गतिः, कालगणनाः, खगोलविज्ञानम् त्रिकोणमिति इत्यादिषु क्षेत्रेषु आचार्यः आर्यभट्टः बहुकार्यम् कृतवान् ।

- (क) उपरोक्तगद्यांशस्य उपर्युक्तं शीर्षकं किम्?
(ख) प्राचीन भारतीय महान् गणितज्ञः कः आसीत्?
(ग) दिवारात्रौ केन भवतः?
(घ) 'प्रकाशस्य' इति शब्दे का विभक्तिः एवम् किं वचनम्?
(ङ) पृथ्वी कीदृशी अस्ति?
(च) ऋतवः कति सन्ति?
(छ) पृथ्वी कस्य परिक्रमाम् करोति?